RNI NO. RAJHIN/2013/57419

राजस्थान का सर्वाधिक ई-पेपर दैनिक

अंदोलन नहीं अखबार

द पुलिस पोस्ट

जयपुर, जैसलमेर, भीलवाड़ा से प्रसारित

जयपुर
सोमवार
26/अगस्त/2024

वर्ष: 10 : अंक: 129

दूरभाष: 01482 : 455184 : पृष्ठ: 08 : मूल्य: 1.50 रुपए

प्रधानमंत्री मोदी ने जोधपुर में फिर दोहराया सेक्युलर सिविल कोड

दंड की जगह न्याय है भारतीय चिंतन का आधार: मोदी

हाईकोर्ट के प्लेटिनम जुबली समारोह में की शिरकत

द पुलिस पोस्ट

जोधपुर(कासं.)। राजस्थान हाईकोर्ट की स्थापना के प्लेटिनम जुबली समापन समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को जोधपुर में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने हाईकोर्ट संग्रहालय का वर्चुअल उद्घाटन भी किया। राजस्थान हाईकोर्ट की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर रविवार को जोधपुर हाईकोर्ट में प्लेटिनम जुबली समारोह आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसमें मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। पीएम मोदी ने राजस्थान हाईकोर्ट म्यूजियम का उद्घाटन भी किया। उन्होंने समारोह को संबोधित करते हुए आईपीसी की जगह भारतीय न्याय संहिता लागू करने, आर्टिकल 370, सीएए को समाप्त करने के लिए सरकार की तरफ से किए गए कामों का जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने पिछले दिनों लाल किले से जिस 'सेक्युलर सिविल कोड' का जिक्र किया था, उसे इस कार्यक्रम में फिर दोहराया। मोदी बोलेज्मैंने 15 अगस्त को लाल किले से 'सेक्युलर सिविल कोड' की बात की। इस मुद्दे पर भले ही कोई सरकार पहली बार इतनी मुखर हुई हो, लेकिन हमारी ज्यूडिशरी दशकों से इसकी वकालत करती आई है। उन्होंने यह भी कहा कि कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाने का उदाहरण, देश के सवेधानिक एकीकरण का उदाहरणज्सीएए जैसे कानूनों का उदाहरण हमारे सामने हैं। ऐसे मुद्दों पर राष्ट्र हित में स्वाभाविक न्याय क्या कहता है, यह हमारी अदालतों के निर्णय से पूरी तरह से स्पष्ट होता रहा है। हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक ऐसे मुद्दों पर अनेक बार ऐसे विषयों पर राष्ट्र प्रथम जैसे विषयों को सशक्त किया है।

आईटी रेवोल्यूशन से न्याय व्यवस्था में बड़ा बदलाव आया

मोदी ने देश में आईटी रेवोल्यूशन का जिक्र करते हुए कहा कि इससे न्याय व्यवस्था में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने कहा किज्आईटी रेवोल्यूशन से कितना बड़ा बदला हो सकता है। हमारी ई-कोर्ट्स इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। नेशनल ज्यूडिशल डेटा ग्रिड से 26 करोड़ से ज्यादा मुकद्मों की जानकारी एक सेंट्रलाइज प्लेटफार्म पर जुड़ चुकी है। पूरे देश की 3 हजार से ज्यादा कोर्ट 12 हजार से ज्यादा जेलें वीडियो कॉनकॉल से जुड़ गई हैं। मुझे खुशी है कि राजस्थान भी इस दिशा में तेजी से काम कर रहा है। पेपरलेस कोर्ट, समन के लिए इलेक्ट्रॉनिक सर्विस कोई सामान्य बदलाव नहीं है।

'बीएनएस ने को कोलोनियल माइंडसेट से आजाद करवाया

पीएम ने कहा कि आजादी के इतने दशक बाद गुलामी की मानसिकता से उबरते हुए देश ने इंडियन पेनल कोड की जगह भारतीय न्याय संहित को एडॉप्ट किया है। दंड की जगह न्यायज्यह भारतीय चिंतन का आधार भी है। भारतीय न्याय संहिता हमारे देश को कोलोनियल माइंडसेट से आजाद करवाती है। बीते एक दशक में हमारा देश तेजी से बदला है। कभी हम 10 साल पहले 10वें पायदान से उपर उठकर दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। आज देश के सपने भी बड़े हैं और देश वासियों की आकांक्षाएं भी बड़ी हैं। इसलिए जरूरी है कि हम अपनी व्यवस्थाओं को आधुनिक बनाएं। जस्टिस फार ऑल इसके लिए उतना ही जरूरी है।

'चक्कर' शब्द बोलकर पीएम ने कहा... बुरा मत मानना

पीएम ने कहा कि हमारे यहां कोर्ट के आगेज्बुरा मत माननाज्चक्कर शब्द मंडेटरी हो गया था। इस दौरान प्रधानमंत्री बोलते हुए अचानक रुकेज फिर कहा कि 'बुरा मत माननाज्हमारे यहां कोर्ट के आगे 'चक्कर' शब्द मंडेटरी हो गया था। कोर्ट का चक्कर, मुकदमें का चक्कर, जिसमें फंस गए तो कब निकलेंगे पता नहीं। आज उस चक्कर शब्द को खत्म करने के लिए देश ने प्रभावी कदम उठाए हैं। इसके लिए लगातार हमें अपनी न्यायिक व्यवस्था में रिफार्म करना है।' उन्होंने कहा कि आज देश में कम खर्चीले वैकल्पिक डिस्प्यूट मैकेनिज्म की व्यवस्था देश में ईज ऑफ लिविंग के साथ ही ईज ऑफ जस्टिस को भी बढ़ावा देगी। कानूनों में बदलाव करके नए प्रावधान जोड़कर सरकार ने इस दिशा में कई कदम उठाए हैं। न्याय पालिका के सहयोग से यह व्यवस्थाएं और ज्यादा सशक्त होगी।

आईटी इंटिग्रेशन - गरीब के सशक्तिकरण का ट्राइड एंड टस्टेड फार्मूला

देश के जो भी आईटी सिस्टम अलग-अलग काम कर रहे हैं उन सभी का इंटिग्रेशन हो। सुप्रीम कोर्ट से लेकर जिला अदालतें एक साथ जुड़कर काम करें। राजस्थान के सभी जिला कोर्ट में इस इंटिग्रेशन प्रोजेक्ट की शुरुआत हुई है। टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल आज के भारत में गरीब के सशक्तिकरण का ट्राइड एंड टस्टेड फार्मूला बन रहा है। सरकार इसके लिए दिशा नाम के इनोवेटिव सोल्यूशन को भी बढ़ावा दे रही है। हमारे लॉ स्टूडेंट्स इस अभियान में हमारी मदद कर सकते हैं। इसके अलावा देश में स्थानीय भाषाओं में लीगल डॉक्यूमेंट्स और जजमेंट्स लोगों को मिल सके इसके लिए भी काम होने हैं। हमारे सुप्रीम कोर्ट ने इसकी शुरुआत की है। एक सॉफ्टवेयर बना है जिससे लोगों को 18 भाषाओं में ज्यूडिशल डॉक्यूमेंट मिल सकते हैं। मुझे विश्वास है कि हमारी कोर्ट्स ईज ऑफ जस्टिस को इसी तरह प्राथमिकता देती रहेगी। हम जिस विकसित भारत का स्वप्न लेकर आगे बढ़ रहे हैं उसमें हर किसी के लिए सुलभ, सरल और सहज न्याय की गारंटी होज्यह बहुत जरूरी है।

न्यूज इनबॉक्स

राहगीरों पर पलटा ट्रक, तीन की दर्दनाक मौत

द पुलिस पोस्ट

सुजानगढ़/सालासर। गत रात्रि को सालासर रोड पर भीमसर पार्वतीसर गांव के बीच पशु को बचाने के चक्कर में ट्रक पलट गया, जिससे साईड में चल रहे तीन युवकों पर ट्रक पलटने से तीनों की दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के अनुसार इस दुर्घटना में शाहरुख (22) पुत्र मोहम्मद नयूम काजी, निवासी कब्रिस्तान के पास सुजानगढ़, सद्दाम (20) पुत्र मोहम्मद हुसैन काजी, निवासी दारुंदा रामगढ़ ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जबकि सोयल (20) पुत्र मांगीलाल काजी, निवासी सुजानगढ़ ने सीकर ले जाते वक्त दम तोड़ दिया। तीनो एक ही परिवार के थे जो सुजानगढ़ से अलखपुरा जा रहे थे, जबकि ट्रक सामने से आ रहा था। परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर रविवार दिन में शाहरुख और सद्दाम का पोस्टमार्टम सालासर और सोयल का पोस्टमार्टम सीकर हुआ। रात को सूचना मिलते ही सुजानगढ़ डीएसपी दरजाराम, सालासर थानाधिकारी पुष्पेंद्र सिंह मय जाप्ते और सुजानगढ़ पुलिस थाने का जाप्ता भी मौके पर पहुंचा। कोलासर सरपंच प्रतिनिधि महावीर सिंह पार्वतीसर, टीम हारे का सहारा संयोजक श्याम स्वर्णकार, भागीरथ, शाकिर, सद्दाम, दीपक लोढ़सर और अन्य लोग मौके पर पहुंचे। सुजानगढ़ नगरपरिषद से फायर ब्रिगेड भी मौके पर पहुंची। दुर्घटना के बाद करीब दोनों ओर 3 किलोमीटर लम्बी वाहनों की कतार लग गई। पुलिस ने ट्रक को क्रैन की मदद से साइड में कराया और जाम खुलाया। दुर्घटना की खबर फैलते ही माहौल गमगीन हो गया।

अब ट्रेन में भी जनसुनवाई: मुख्यमंत्री भजनलाल ने जोधपुर इंटरसिटी में जानें लोगों के हाल

द पुलिस पोस्ट

जयपुर(कासं.)। प्रदेश के मुखिया जन सेवा में समर्पित होकर कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय, निवास, सचिवालय, भाजपा मुख्यालय सहित अनेक स्थानों पर जन सुनवाई कर चुके मुख्य मंत्री ने रविवार को ट्रेन में भी जनसुनवाई कर नायाब उदाहरण पेश किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ट्रेन से हाई कोर्ट के प्लैटिनम जुबली समारोह में शामिल होने के लिए जोधपुर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने जोधपुर इंटरसिटी में जनसुनवाई की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की जयपुर से जोधपुर यात्रा के दौरान यात्रियों में सीएम के साथ सेल्फी लेने का क्रेज नज़र आया। मुख्यमंत्री के साथ सेल्फी लेने वालों में विदेशी यात्री भी शामिल रहे। यात्रा के दौरान सीएम ने अलग अलग डिब्बों में जाकर यात्रियों से मुलाक़ात की। इसके अलावा ट्रेन में सफर कर रहे लोगों के साथ ब्रेकफास्ट भी किया। ट्रेन में जापान से आए पर्यटकों ने भी मुख्यमंत्री के साथ सेल्फी ली। ट्रेन से जोधपुर जाते समय भजनलाल शर्मा ने कहा कि लोगों के बीच जाना, उनसे बात करना, उनकी समस्याओं को सुनना, वास्तविकता को सामने लाता है। हम उनकी समस्याओं को जानते हैं और उनका समाधान कर सकते हैं। हमारे लिए वे समस्याएं छोटी हो सकती हैं, लेकिन उनके लिए यह जरूरी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जब हमें समस्या पता चलती है, तो हम उसका समाधान करने की ओर बढ़ते हैं। इससे एक संदेश भी जाता है। मुझे लगता है कि उनसे बात करने से बड़ा काम होता है। आपने बजट के दौरान देखा होगा, कई कांग्रेस के लोगों ने इसकी सराहना की, वे इसे करेंगे। सीएम शर्मा ने कहा कि हमने पिछले 8 महीनों में पानी, बिजली और अन्य से जुड़ी समस्याओं को हल करने की दिशा में प्रगति की है। हमने लोगों से जो कहा था, हम उसे करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, चाहे वह ईआरसीपी हो, अरुणाचल समझौता हो या बिजली हो। हम आत्मनिर्भर बनेंगे

गाय की पूंछ मंदिर में फेंकने से भीलवाड़ा में तनाव, भारी पुलिस बल तैनात

द पुलिस पोस्ट

भीलवाड़ा(निसं.)। भीलवाड़ा शहर में एक बार फिर से सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की नापाक कोशिश की गई है। रविवार को गांधी सागर तालाब के सामने स्थित वीर हनुमान मंदिर के बाहर एक गाय घायल अवस्था में मिली, जिसकी पूंछ काट दी गई थी। कटी पूंछ को मंदिर के गेट पर डाल दिया गया। इस घटना से शहर में तनाव फैल गया और हिंदू संगठनों ने आक्रोशित होकर मंदिर के बाहर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। घटनास्थल पर स्थानीय सांसद दामोदर अग्रवाल, महामंडलेश्वर हंसराम महाराज और संत समाज के अन्य सदस्यों ने पहुंचकर आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना क्षेत्र के पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और आक्रोशित हिंदू संगठनों को समझाने की कोशिश की, लेकिन उनकी मांगें थी कि जब तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया जाता तब तक धरना जारी रहेगा। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिसके बाद पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में स्थित गांधी सागर तालाब के पास वीर हनुमान मंदिर के बाहर इस घटना को एक सुनियोजित साजिश के तहत अंजाम दिया गया। मंदिर के बाहर एक गाय को गंभीर रूप से घायल कर उसकी पूंछ काट दी गई और मंदिर की चौखट पर डाल दी गई। हिंदू संगठनों का आरोप है कि यह घटना जानबूझकर की गई है, ताकि शहर में सांप्रदायिक तनाव पैदा किया जा सके। उन्होंने आरोप लगाया कि जैसे ही कोई धार्मिक त्योहार आता है, कुछ असामाजिक तत्व शहर का माहौल खराब करने की कोशिश करते हैं। घटना के बाद, शहर में तनावपूर्ण माहौल बन गया और हिंदू संगठनों के सदस्य और साधु-संतों की मौजूदगी में मंदिर के बाहर धरना शुरू कर दिया गया। बारिश के बावजूद, प्रदर्शनकारियों ने धरना जारी रखा और प्रशासन को आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने का अल्टीमेटम दिया।

बूथ चलो अभियान में फिरोजाबाद में गरजे पूनिया

पीएम मोदी ने लोकतंत्र को मजबूत कर देश को एकता के सूत्र में पिरोया: डॉ. सतीश पूनियां

द पुलिस पोस्ट

फरीदाबाद((एजेंसी)। हरियाणा भाजपा के "बूथ चलो अभियान" के तहत फरीदाबाद पहुंचे हरियाणा भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनियां ने कहा कि हरियाणा बहुत वर्षों तक जातिवाद, परिवारवाद, क्षेत्रवाद और भ्रष्टाचार के चंगुल में जकड़ा हुआ था। पिछले 10 वर्षों में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल और सीएम नायब सिंह सैनी ने एक मजबूत सरकार हरियाणा को दी, जिससे हरियाणा के विकास की अभिनव शुरुआत हुई। हरियाणा में जो बदलाव आया उससे प्रदेश और प्रदेशवासी मजबूत हुए। डा.पूनिया ने फरीदाबाद विधानसभा के ओल्ड फरीदाबाद मंडल में बूथ नंबर 85 पर प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना, कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की और डोर टू डोर जनसंपर्क भी किया। डा. पूनिया ने पूर्व वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं पूर्व ज़िला अध्यक्षों जगदीश गोयल और आर डी बंसल के परिवारों से मुलाक़ात कर उनका कुशलक्षेम जाना और अनुसूचित जाति कार्यकर्ता गौरव चौहान के घर पहुँचकर कार्यकर्ताओं के साथ भोजन किया। डा. पूनिया ने फ़रीदाबाद में बूथ कार्यालय खोलने का शुभारंभ करते हुए फ़रीदाबाद विधानसभा के बूथ 139 पर बूथ कार्यालय का उद्घाटन किया। सतीश पूनियां ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि हरियाणा का चुनाव किसी व्यक्ति या परिवार का चुनाव का नहीं है, यह प्रदेश के विकास और लोकतंत्र को मजबूत करने का चुनाव है। कांग्रेस को 55 साल तक राज करने का मौका मिला, इसलिए कांग्रेस ने सोच लिया था कि राज करने का अधिकार सिर्फ कांग्रेस का ही है। 2014 में जनता ने कांग्रेस का भ्रम तोड़ा और इस बार भी तोड़ेगी। जनता हरियाणा में फिर से भाजपा की सरकार चाहती है और जनता के आशीर्वाद से हम तीसरी बार हरियाणा में सरकार बनाएंगे। बूथ चलो अभियान" के तहत फरीदाबाद विधानसभा के बूथ नंबर 85 पर बूथ की बैठक आयोजित की गई जिसमें प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया, जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा, जिला महामंत्री मनोज वशिष्ठ, सुरेन्द्र जांगड़ा, फरीदाबाद विधानसभा प्रभारी अनिल नागर, संयोजक प्रकाशवीर नागर, जिला उपाध्यक्ष पंकज रामपाल, शोभित अरोड़ा, मंडल अध्यक्ष सचिन शर्मा, नीरज मित्तल, कुलदीप साहनी, जिला मीडिया प्रभारी विनोद गुप्ता, प्रवीण चौधरी, गौरव चौहान, राज मदान, आभाष अग्रवाल, मंडल महामंत्री सुनील, संदीप बंसल, श्री चंद गौतम, मनोज कपिला, राहुल रात्रा, शारदा गर्ग, सुरेन्द्र सांगा, डी.पी जैन, प्रवीण लता कपिला, हेमा ठाकुर, नरेश अग्रवाल, सुरेन्द्र बतरा, शेखर आदि उपस्थित रहे।

कांग्रेस के समय में तो नौकरियां भी खरीदी जाती थी

सतीश पूनिया ने कहा कि जनता ने नरेंद्र मोदी को लगातार तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाकर देश की बागडोर उनके हाथ में सौंपी और जनता के आशीर्वाद के दम पर पिछले 10 वर्षों में मोदी ने देश का चंहुमुखी विकास करने और देश के युवा, महिला, किसान और गरीब को सशक्त करने का काम किया है। उसी तरह 10 वर्षों में भाजपा की प्रदेश सरकार ने प्रदेश में बड़े बदलाव किये, महिलाओं को सशक्त कर उनका मान बढ़ाने का काम किया। बिना खर्ची, बिना पर्ची से युवाओं को नौकरी देने का काम किया। कांग्रेस के समय में तो नौकरी खरीदी जाती थी, लेकिन भाजपा सरकार ने योग्यता के मापदंड पर नौकरियां दी है। सतीश पूनिया ने कार्यकर्ताओं के साथ बूथ नंबर 85 पर प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना। उन्होंने कहा कि मन की बात से मोदी देश की अखंडता और एकता को जोड़ने का काम करते हैं। मन की बात में चाहे कश्मीर हो या अरुणांचल प्रदेश या दक्षिण भारत का कोई राज्य, देश के हर हिस्से के लोगों की और मुद्दे की बात करते हैं। मोदी ने देश के लोकतंत्र को मजबूत करने और देश को एकता के सूत्र में पिरोने का काम किया है। पुनिया ने कहा कि मोदी का मन की बात कार्यक्रम हर व्यक्ति के लिए प्रेरणादायक होता है।

चुनाव में बूथ कार्यकर्ताओं की भूमिका महत्वपूर्ण

बैठक के बाद डा.पूनिया ने बूथ पर जन सम्पर्क अभियान में भाग लिया और बूथ पर घर-घर जाकर लोगों से मुलाकात की। प्रदेश प्रभारी डा.सतीश पूनिया ने कहा कि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है और बूथ और पन्ने तक भाजपा का संगठन मजबूत है। उन्होंने कहा कि चुनाव नजदीक है, चुनाव में सबसे बड़ी भूमिका बूथ कार्यकर्ताओं की है। उन्होंने कहा कि संपर्क और संवाद से अपने बूथ को मजबूत कर बूथ को जीतना है। बूथ जीता, चुनाव जीता" इस मूलमंत्र पर चलकर अपने बूथ पर लोक संपर्क और लोक संवाद कर पार्टी की विचारधारा, योजनाओं और डबल इंजन सरकार के ऐतिहासिक कार्यों को लेकर घर-घर लेकर जाना है।

फरीदाबाद की सभी विधानसभाओं में खिलेगा कमल

फरीदाबाद पहुंचने पर जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा ने प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनियां का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। उन्होंने बूथ के कार्यकर्ताओं को संगठन विस्तार और मेरा बूथ सबसे मजबूत का पाठ पढ़ाया। जिला अध्यक्ष ने प्रदेश प्रभारी को विश्वास दिलाया कि हमारे कार्यकर्ता पूरी ताकत के साथ बूथ को मजबूत कर पार्टी को चुनाव जीताने का काम करेंगे और फरीदाबाद की सभी 6 विधानसभाओं में कमल खिलेगा व मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनेगी।

जिला कलक्टर नमित मेहता का नवाचार नेत्र ज्योति अभियान

जिला स्तरीय कार्यक्रम के बाद अब ब्लॉक स्तर पर अभियान की हुई शुरूआत

सुवाणा ब्लॉक के लगभग पांच सौ स्कूली बच्चों को नि:शुल्क चश्मों का किया वितरण

द पुलिस पोस्ट

भीलवाडा, जिला कलक्टर नमित मेहता के नवाचार के तहत भीलवाड़ा जिले में नेत्र ज्योति अभियान के तहत चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग व शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में समस्त राजकीय विद्यालयों में कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों की आंखों की जांच कर भामाशाहों के सहयोग से नि:शुल्क चश्मा वितरण किया जा रहा हैं। जिला कलक्टर नमित मेहता द्वारा शनिवार को हमीरगढ़ के पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में ब्लॉक स्तर पर अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के तहत सुवाणा ब्लॉक में लगभग पांच सौ बच्चो को निशुल्क चश्मों का वितरण किया।जिला कलक्टर ने भामाशाह लायंस क्लब का इस नेक अभियान से जुड़ने के लिए आभार व्यक्त किया।

दो हजार से अधिक बच्चों को मिल रहें निशुल्क चश्में

ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम के दौरान जिला कलक्टर ने नेत्र ज्योति अभियान की जानकारी दी और कहा कि अभियान के तहत जिले के कुल 265 पीईईओ व 262 रिसोर्स पर्सन द्वारा 1785 राजकीय विद्यालयों मे अध्ययनरत 174948 बच्चों की स्कीनिंग की गई व 4093 बच्चों को चिन्हित कर ब्लॉक स्तर पर नेत्र परीक्षण हेतु भिजवाया गया। इनमें से 2216 बच्चों के चश्मे के नम्बर निकाल कर एनजीओ द्वारा चश्मे तैयार कर उनका वितरण करवाया जा रहा हैं। उन्होंने बताया कि स्कूल में पढाई में कमजोर रहने का एक मुख्य कारण आंख में कमी भी हो सकती है। चश्में लगने पर साफ दिखाई देगा तो पढाई में मन अधिक लगेगा और बच्चों के जीवन में बदलाव भी संभव हो सकेगा। सीएमएचओ डॉ सीपी गोस्वामी ने बताया कि अभियान के तहत ब्लॉक अधिकारियों, रिसोर्स पर्सन द्वारा व चिकित्सा विभाग के नेत्र सहायकों एवं एनजीओ के नेत्र सहायकों द्वारा समस्त पंचायत, प्रारंभिक शिक्षा अधिकारियों व रिसोर्स पर्सन को नेत्र ज्योति अभियान की जानकारी दी जा कर प्रशिक्षण दिया गया। इसके पश्चात इन पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारियों द्वारा अपने अधीनस्थ राजकीय विद्यालयों के अध्यापकों को प्रशिक्षण दिया गया और संभावित दृष्टि दोष वाले बच्चों का चिन्हीकरण किया गया और अब इनको निशुल्क चश्मों का वितरण किया जा रहा हैं।

उत्कृष्ट कार्य करने वाली एएनएम और आशा को किया सम्मानित

इसके पश्चात परिवार कल्याण के क्षेत्र में ब्लॉक स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली एएनएम और आशाओं को जिला कलक्टर नमित मेहता द्वारा प्रशस्ति पत्र दे सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भामाशाह लायंस क्लब अध्यक्ष आर पी बल्दवा, रीजनल अध्यक्ष राकेश पगारिया, मधु काबरा, सीएमएचओ डॉ सीपी गोस्वामी, एसडीएम नेहा छीपा, तहसीलदार विपिन चौधरी, बीसीएमओ अंकित कुमार, बीपीएम सुदर्शन पालीवाल एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

आदिवासी इलाकों में फैली खतरनाक बीमारी:

हर 3 महीने में बीमार, उम्र घटने का खतरा; पॉजिटिव मरीज से शादी नहीं करने की चेतावनी

द पुलिस पोस्ट

बांसवाड़ा। गंभीर आनुवांशिक बीमारी सिकल सेल एनीमिया ने राजस्थान के आदिवासी इलाकों को चपेट में ले रखा है। बांसवाड़ा जिले में इस रोग से प्रभावित (पॉजिटिव) लोगों की संख्या 692 पहुंच चुकी है। इसमें सभी उम्र के लोग शामिल है। बांसवाड़ा के डिप्टी सीएमएचओ डॉ. राहुल डिंडोर ने बताया- बांसवाड़ा में अब तक 9 लाख 57 हजार लोगों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है, इनमें 692 लोग पॉजिटिव पाए गए हैं। चिकित्सा विभाग उनकी लगातार मॉनिटिरिंग कर रहा है। साथ ही जागरूक किया जा रहा है कि जिन्हें यह बीमारी नहीं है, वे पॉजिटिव पार्टनर से शादी न करें। ताकि उनके बच्चों में यह बीमारी न पहुंचे। शादी करने से पहले वे पार्टनर की स्क्रीनिंग कराएं। विभाग की ओर से पॉजिटिव पाए गए मरीजों को लगातार इलाज दिया जा रहा है।

रेड ब्लड सेल कम हो जाते हैं, कई रोग हो जाते हैं

यह एक बीमारी रेड ब्लड डिसऑर्डर से जुड़ी है। यह खून में मौजूद हीमोग्लोबिन को बुरी तरह प्रभावित करती है। ऐसे में शरीर में रेड ब्लड सेल की कमी हो जाती है। शरीर के अंगों तक ऑक्सीजन ठीक से नहीं पहुंच पाती। तेज दर्द होने लगता है। हड्डियों और मांसपेशियों में दर्द रहना, हाथ पैरों में सूजन, थकान, कमजोरी, पीलापन, किडनी रोग, बच्चों में कुपोषण, आंखों से जुड़ी समस्याएं और इंफेक्शन जैसे लक्षण पैदा हो जाते हैं। माता-पिता में से कोई एक सिकल सेल एनीमिया से पीड़ित है तो बच्चों में यह बीमारी आ सकती है। बांसवाड़ा के सज्जनगढ़ इलाके में इस बीमारी का स्तर सबसे गंभीर है। इस रोग से पीड़ित महिला की उम्र 48 और पुरुष की 42 साल तक सीमित हो जाने का खतरा होता है। जोधपुर की डीएमआरसी (डिजर्ट मेडिसिन रिसर्च सेंटर) ने इस इलाके में रिसर्च किया तो यह जानकारी सामने आई। इसके बाद सरकार ने सैंपलिंग कराई गई। बांसवाड़ा में अब तक की गई सैंपलिंग में सबसे ज्यादा 200 पॉजिटिव कुशलगढ़ में पाए गए। कुशलगढ़-सज्जनगढ़ आदिवासी इलाके हैं। बीमारी का शिकार होने वालों में महिलाएं ज्यादा हैं। यहां 548 पॉजिटिव मरीजों की एक लिस्ट सामने आई, जिसमें महिलाओं की संख्या 302, जबकि पुरुषों की संख्या 246 है। सबसे ज्यादा 21 साल तक के युवा बीमारी की चपेट में आए हैं।

राजस्थान उच्च न्यायालय प्लेटनीयम जुबली वर्ष 2024 (1949-2024) के उपलक्ष्य में आज राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट्स एशोसिएशन जोधपुर के द्वारा के टी आर रिसोर्ट में महिला अधिवक्ताओं का सावन महोत्सव का आयोजन रखा

द पुलिस पोस्ट

राजस्थान उच्च न्यायालय प्लेटनीयम जुबली वर्ष 2024 (1949-2024) के उपलक्ष्य में आज राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट्स एशोसिएशन जोधपुर के द्वारा के टी आर रिसोर्ट में महिला अधिवक्ताओं का सावन महोत्सव का आयोजन रखा । इस आयोजन में करीब 300 से ज्यादा महिला अधिवक्ताओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया ! कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपती की धर्मपत्नी श्रीमती मधु श्रीवास्तव ,कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि जस्टिस सुश्री रेखा बोराणा तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता जस्टिस श्रीमति नूपुर भाटी द्वारा की गई । सावन महोत्सव में महिला अधिवक्ताओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते हुए अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतिया दी तथा सफल आयोजन के लिए एशोसिएशन का आभार जताया । सावन महोत्सव कार्यक्रम का सयोंजन लाइब्रेरी सेक्रेटरी श्रीमती कांता राजपुरोहित द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम में एशोसिएशन के अध्यक्ष श्री रतनाराम ठोलिया , महासचिव शिवलाल बरवड़ ,उपाध्यक्ष धीरेंद्र दाधीच ,कोषाध्यक्ष विमल कुमार माहेश्वरी सहित व भारी संख्या में अन्य अधिवक्तागण उपस्थित

भूमि नगर परिषद पेराफेरी में पंचायत ने जारी कर दिए पट्टे

कब भष्ट्राचारीओ के विरुद्ध कारवाई करेगी भाजपा सरकार

द पुलिस पोस्ट

सिरोही, रामपुरा रोड स्थित बैधनाथ महादेव मंदिर के पास में सरकारी बिलानाम भूमि नगर परिषद सिरोही के पेराफेरी बैल्ट में होने के बावजूद ग्राम पंचायत रामपुरा ने अधिकार क्षेत्र से बहार जातें हुए बेशकीमती भूमि के पट्टे जारी कर दिए और बताया जा रहा है कि ग्राम पंचायत रामपुरा से पट्टे मिलते ही भुखण्ड लाखों रुपए में बेच कर कमाई कर दी पूर्व जावाल ग्राम पंचायत में भी सैकड़ों फर्जी तरीके से पट्टे जारी करने का बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ कुछ मामलों में एफआईआर दर्ज हुई लेकिन फजीर्वाड़ा करने वाले राजनैतिक संरक्षण में आज भी फल फूल रहे हैं सरकार बदली क्षेत्र के जनप्रतिनिधि बदले पर भ्रष्टाचारीयों पर कोई आंच नहीं आई यही कारण है फजीर्वाड़ा करने वाले भ्रष्टाचारीयों के होसलो की उड़ान आकाश की और दिखाई दे रही है! कब होगी कारवाई भष्ट्राचारीओ के विरुद्ध पेराफैरी मे हुए फर्जी पट्टो के विरुद्ध कारवाई कब होगी क्यो की पूर्व राजनैतिक संरक्षण के बिना नही हो सकते अवैध पट्टे अगर अब ईमानदार सरकार व मंत्रीजी निर्देशक जिला कलेक्टर होगे तब अब पक्की कारवाई होगी देखते है की भष्ट्राचारीओ के विरुद्ध कारवाई होगी या इनको जेल होगी।

पर्यावरण प्रेमी ओमप्रकाश कुमावत इन्टरनेशनल ग्रीन वर्ल्ड एण्ड क्लाइमेट एक्शन अवार्ड से सम्मानित

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज पश्चिम राजस्थान के सिरोही जिले शिवगंज कस्बे से पर्यावरण ब्रांड एम्बेसडर पर्यावरण प्रेमी ओमप्रकाश कुमावत को इन्टरनेशनल ग्रीन वर्ल्ड एण्ड क्लाइमेट एक्शन अवार्ड 2024 सम्मानित किया गया। निरोजा ग्रीन इंडिया परिवार फाउंडेशन बिहार सीईओ डॉ.नीरज गुप्ता ने बताया की पर्यावरण प्रेमी कुमावत अनवरत पर्यावरण संरक्षण व विलुप्त गौरेया पक्षी जागृति का कार्य कर रहे हैं,सोशल मीडिया पर सर्वे कर उन्हें 13 अगस्त को संस्था द्वारा उनका नाम को नोमिनेशन किया गया था ,24 अगस्त को डिजिटल प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया,आपका कार्य सहारनीय है संस्था आपके उज्जवल भविष्य कि कामना करती है,पर्यावरण प्रेमीयो में खुशी की लहर है, कुमावत को बधाई देकर हौसला बढ़ाया। एक व्यक्ति एक पौधा मिशन शिवगंज संस्थापक पर्यावरण प्रेमी ओमप्रकाश कुमावत ने डॉ.नीरज गुप्ता व संस्था का आभार व्यक्त किया। जन्मदिन, पुण्यतिथि, शादी समारोह में पौधा-रस्म का अभियान अनवरत जारी रहेगा। कुमावत ने यह सम्मान अपने माता-पिता पानी देवी - गुलाबराम को समर्पित किया। उनकी प्रेरणा व संघर्ष से पर्यावरण संरक्षण में अपना समय दे पा रहे हैं।डॉ.नीरज सीईओ के बताया की भारत देश में अन्य देशों के लोगों पर्यावरण संरक्षण क्षेत्र में सम्मानित किया गया। शेख नासेर हैदर इराक, डॉ, मानवेन्द्र सिंह हरियाणा,करुणाकर मलिक उड़ीसा, पर्यावरण प्रेमी ओमप्रकाश कुमावत शिवगंज सिरोही राजस्थान, नेपाल पाल सिंह उत्तर प्रदेश, डॉ. विश्वनाथ छत्तीसगढ़, सुमित आर.राठौड नागपुर महाराष्ट्र,ख.बोबीसाना सिंह मणिपुर, डॉ.धमेन्द कुमार बिहार, डॉ.सुनीता खन्ना उत्तर प्रदेश, डॉ.सजीव मदन राजस्थान, मोहनलाल वर्मा उत्तरप्रदेश,फतेह सिंह मीना राजस्थान,नीता गुप्ता कोलकाता, बिपिन कुमार बिहार,वरसटाईल कन्हैया बिहार, प्रदीप सिंह राजस्थान, निर्भय प्रताप सिंह बिहार, डॉ.मोह.इस्लाईल उत्तर प्रदेश, नन्दलाल सिंह बिहार सहित पर्यावरण प्रेमीयो को डिजिटल माध्यम से सम्मानित किया।

भष्ट्राचारीओ के भेट चले गाँधी पार्क के झुले

जिले पर बैठे अधिकारीओ की ऑख बंद कर बैठना सवाल पुछता है सिरोही

द पुलिस पोस्ट

सिरोही एक साल पहले गांधी पार्क में लगे झूले जवाब देने लग गये झूले के लोह की चद्दर उखड़ने से झूले पर झूलने वाले बच्चों को घांव दे रहे हैं चद्दर के उखड़ने से नुकिले भाग से बच्चों के शरीर पर चीरा लगकर खुन निकलता है नगर परिषद के जवाबदार तुरंत सुधार करवाने का कष्ट करावे! शहर की बगीचो की हालत देखकर लगता है की कब परिषद मे भष्टाचार खत्म होगा भष्ट्राचारीओ के हाथो हुए भष्टाचार की जांच कब होगी कब कारवाई होगी सरकारी धन का दुरुपयोग करने वालो के विरुद्ध कारवाई कब करेगी स्वायत शासन विभाग के अधिकारी कब होगी शहर की हर बगीचो की हालात खराब है गाँधीजी के नाम के बगीचे की हालात खराब है फिर कब भष्ट्राचार ब्यूरो विभाग के अधिकारी कब कारवाई करेगे।

डाक्टर ओ पी मेवाड़ा को कुशल मंगल दोनों पैरों के ऑपरेशन कर पहुंचे

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज निकटतम डॉक्टर ओ पी मेवाड़ा नर्सिंग होम के मालिक व जन जन के मसीहा वह वरिष्ठ डॉक्टर ओपी मेवाड़ा अपने दोनों घुटनों की सर्जरी अहमदाबाद मे करवाकर शिवगंज पहुँचकर उनके घर पर उनके शुभचिंतकों को अस्पताल पहुँच डॉक्टर ओपी मेवाड़ा की कुशलक्षेम पूछी तथा जल्द से जल्द स्वस्थ होने की परमपिता परमेश्वर से कामना की इस अवसर पर समाजसेवी जितेंद्र सिंह राव ने कहा कि डॉक्टर ओपी मेवाड़ा के सफलता पूर्वक सर्जरी अहमदाबाद में हुई तथा ऑपरेशन के चौथे दिन भी जनता की सेवा के लिए स्वस्थ दिखे डॉक्टर ओपी मेवाड़ा की पहचान की मोहताज नहीं है अपनी विशेष महारथी मैडिसन के रूप में जाने पहचानने वाला डॉक्टर मेवाड़ा के शिवगंज पहुंचने पर शिवगंज तहसील के सभी जनों को खुशी की लहर शाह गई इस अवसर पर पत्रकार जैसाराम माली पूर्व पार्षद और हनुमान जी मंदिर के ट्रस्ट अध्यक्ष प्रताप सिंह सांचौर शोभा मेवाड़ा अभिमन्यु सिंह एवं रणवीर सिंह बने सिंह राव भूराराम मेघवाल चंपालाल मेघवाल शंकर लाल ऋतु मेवाड़ा सहित जानेमाने नागरिक उपस्थित रहे। सबसे ने डाक्टर ओपी मेवाडा को जल्दी जनतांत्रिक की सेवा मे लग जाना चाहिए शहर व आसपास गांवो से हजारो की संख्या में नागरिक आपकी सेवा के इन्तजार में है।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय कुलपतियों के साथ समीक्षा बैठक की

विश्वविद्यालय नैक एक्रिडिएशन के लिए तेजी से प्रयास करे, गुणवतापूर्ण शिक्षा प्राथमिकता बने- राज्यपाल

द पुलिस पोस्ट

जोधपुर, राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने कहा कि विश्वविद्यालय अपनी नैक एक्रेडिंग के लिए तेजी से प्रयास करे। उन्होंने गुणवतापूर्ण शिक्षा के साथ विद्यार्थियों में स्किल डेवलपमेंट के लिए प्रयास करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि हम सबको मिलकर राजस्थान को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणीय राज्य बनाना है। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने रविवार को डीआरडीओ सभागार में जोधपुर स्थित विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालयों द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों की जानकारी ली। साथ ही, इसको और कैसे बेहतर किया जा सकता है के संबंध में आवश्यक सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय उत्कृष्ट और सर्वोच्च ज्ञान के केन्द्र बनें। बैठक में एम बी एम विश्वविद्यालय के कुलपति श्री अजय कुमार शर्मा, महात्मा गांधी दिव्यांग विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ कुसुमलता भंडारी, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति, मेडिकल विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलपति डॉ. एम के आसेरी सहित अन्य विश्वविद्यालय के कुलपति एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

स्टोर शाखा मे टेंडर के नाम पर एक सामान के डबल बिल उठ गया करोड़ो के भष्टाचार का आरोप

स्थापना दिवस से आज तक हुए सामग्री खरीददारी की जांच की मांग

कांग्रेश बोर्ड के कार्यकाल के भष्ट्राचार की जाँच होनी चाहिए

अधिकारीयों व बाबुओं ने व दलालों ने मिलकर अवैध वसुली कर सैकडों की सम्पती बनाई।

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज नगर पालिका में स्टोर शाखा में चल रहा टेंडर के नाम बड़ा घोटाला एक ही सामान के डबल डबल भी बिल उठ गए शिवगंज स्थापना दिवस में लिए गए गमलो को पेड़ों के बिल डबल बार बार उठा दिए एक बार स्थापना दिवस दूसरी बार नगर पालिका उद्घाटन वह नगर पालिका में लगाने के लिए टाउन हॉल के बहार लगाए गमलो के बिल डबल डबल बनाकर पैसा उठा दिया लाखों रुपए के बने बिल ठेकेदार वह बाबुओं ने मिलकर आपस में बंटरबाट की है शिवगंज नगर पालिका में लूटने में कोई पीछे नहीं रह रहा है क्योंकि स्टोर शाखा वह पार्षद बनकर बैठे ठेकेदारों ने वह दलालों ने पालिका को नहीं छोड़ा एक परसेंट भी खाली क्योंकि नगर पालिका का मालिक कोई नहीं होता कि यह स्वायत शासन संस्था है इसको लूटने में अगर कोई पीछे रहता है तो वह एक ईमानदार आदमी पर इस संस्था में ईमानदार आदमी रह ही नहीं सकता खाली नाम का ईमानदार हो सकता है काम का नहीं भ्रष्टाचार के बिना इस संस्था में एक परसेंट भी काम नहीं चल सकता और जो ईमानदार है वह इस संस्था में रह नहीं सकता शिवगंज नगर पालिका में स्टोर में इन कांग्रेस सरकार के 4 साल के कार्यकाल की जांच की जाए तो पता चल जाएगा कि करोड़ों रुपए के वारे न्यारे किए क्योंकि कोटेशन बिल पर करोड़ों रुपए के बिल उठा दिए गए पालिका में सामान तो क्रय किया ही नहीं और बिल उठ गया स्टोर बाबूजी वह कैश के कैशियर शाखा के अधिकारी ने मिलकर पालिका में पार्षदों को बना दिया ठेकेदार आपस में भागीदारी बताकर शिवगंज नगर पालिका स्टोर ने कैश शाखा को कर दिया बर्बाद इन्होंने नहीं छोड़ा किसी को भी इन्होंने गाय माता के नाम पर भी लाखों रुपए खा लिए सफाई के नाम पर जेसीबी वह क्रैन के टेंडर वह बिल के नाम पर लाखों रुपए फालतू उठा दिए नालों की सफाई आज तक कि नहीं और उठ गए बिल शहर के नालों की हालत इतनी खराब है की बारिश आते ही शहर में पानी भरना चालू हो जाएगा नीचे की बस्ती में पानी भराव कितना हो जाएगा कि लोगों को जीना मुश्किल हो जाएगा पर पालिका में बिल उठ जाता है पर सफाई नहीं हो रही है इसीलिए यह लोग भी नहीं चाहते कि शहर का भला हो शहर का विकास करना इनको पसंद नहीं आता जितना पैसा आता है खाली जेब भर लो और चले चलो क्योंकि अधिकारी लोग तो कुछ दिन के मेहमान होते हैं पर यहां के नेता भी बेईमान लोग होते हैं यह लोग इन अधिकारियों के साथ भागीदारी कर शिवगंज पालिका को लूटने में कोई कमी नहीं रखते हैं ऐसे ही इन भ्रष्टाचारियों नेताओं को लूटने वाले के विरुद्ध कार्रवाई होनी चाहिए नगर पालिका में जब से यह कांग्रेश का बोर्ड बना तब से लेकर आज तक कोई कसर नहीं छोड़ी है इन नेताओं ने पालिका को लूटने में कांग्रेस का बोर्ड बना कांग्रेस वालों ने गली किनारे पर लगने वाले लोहे के बोर्ड टी गार्ड की जालियां नालियों पर जालिया पानी की लाइन वह सड़कों पर बिछाई गई पानी की लाइन लाइनों को जिसमें पालिका अध्यक्ष व पार्षद ठेकेदार बने हुए थे इन लोगों ने पानी की लाइनों की भी जांच होनी चाहिए शिलालेख के नाम पर लाखों रुपए उठा दिए वह कचरा स्टैंड लोहे के स्टैंड मिलकर लाखों रुपए के बिल फोकट के उठा दिए नहीं लगे कचरा स्टैंड पर पैसा उठ गया स्वस्थ भारत मिशन में आए पैसों का गलत दुरूपयोग प्रयोग किया लाखों रुपए का फजीर्वाड़ा किया यह पैसा फर्जी में उठाकर ठेकेदारो ने मिलकर आपस में

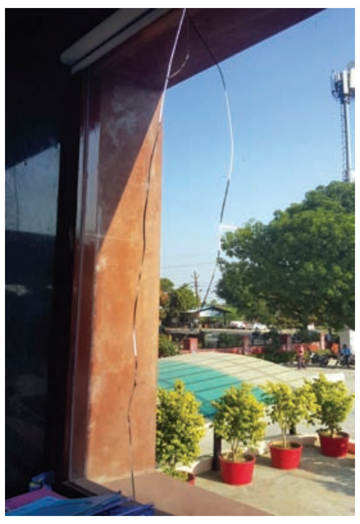

बंटरबाट कर दिया क्यों नहीं कर रहे हैं कार्रवाई या भष्ट्राचार अधिकारी सभी मिले हुए तो कौन करेगा उनके विरुद्ध कार्रवाई इनका क्या कहना है शिवगंज नगर पालिका में स्टोर शाखा में खरीद किए हुए विद्युत संबंधी सामग्री हेड पंपों पर लगी मोटर शिलालेखों की पटटी वह पानी की लाइन बिछाने का ठेका टी गार्डन कचरा स्टैंड नालियों पर जालिया सीमेन्ट के पोल गमले सहित पेड़ डबल बार इनका भुगतान उठा दिया फिर भी पालिका अधिकारियों ने छुपी साध रखी थी क्योंकि इनको कमिशन का प्रतिशत ज्यादा मिल रहा था इसलिए इन अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की क्योंकि पालिका में कांग्रेस का बोर्ड है और यह बोर्ड चाहता है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार बदनाम हो इसलिए यह उल्टा सीधा काम कर रहे हैं पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार इस बोर्ड के अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है क्या पता इसमें कुछ लोग यह भी तो शामिल नहीं है जो पहले कांग्रेसी थे तो अब भाजपाईओ भी हो सकते हैं इसलिए उनके विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं हो रही है तुरंत कार्यवाही करनी चाहिए

सीमादेवी माली पार्षद नगर पालिका शिवगंज

नगर पालिका में जो स्थापना दिवस हुई उसे स्थापना दिवस के बिलों की जांच होनी चाहिए पालिका में करोड़ों रुपए के बिल उठे है वह उसी समान के डबल बार बिल बनाकर पालिका से डबल डबल बिल उठ गए पर आज तक का इन्होंने कुछ नहीं की खाली गाड़ी के बिल बनाकर पालिका से लाखों रुपए उठा दिए पर गाड़ी एक फिट भी नहीं चली बड़े कवि गायकारो वह अन्य कलाकारों को बुलाकर करोड़ों रुपए उठाकर इसमें किसी अन्य सेवाभावी आदमियों ने भी पैसा दिया था उनका पैसा तो उनके खुद के घर में भर दिया अपनी निजी संस्था में डाल दिए और नगर पालिका से फोकट के बिल बनाकर सरकारी धन का दुरुपयोग कर दिया अगर आप इन सभी की जांच की जाए तो दूध का दूध को पानी का पानी निकल जाएगा कमलसिंह चौहान समाजसेवी व गौरक्षक शिवगंज

शिवगंज नगरपालिका स्टोर शाखा के बाबुओं के विरुद्ध कार्यवाही होनी चाहिए तब जाकर शिवगंज शहर की जनता की गाढी कमाई लुटकर अपने परिवारों के घर भरे है अब एक नया खैला चल रहा है हैडपंपो पर मोटर सेट टंकी जो लगाई जा रही है एक किलोंवोल्ट की लगाई गई और सैकड़ों लगी हुई है पर बिल तीन किलो वोल्ट के बिल उठा है करोडों रुपए का भष्ट्राचार एक मे हुआ है तो समझो ईसमे अधिकारी व पालिकाध्यक्ष व नेताओं व कोन है ईनके साथ पार्षदो को ठेकेदारों बनाकर लुटाया है उन सभी से वसूला जाएँ अन्यथा पालिका प्रशासन के विरुद्ध कार्यवाही होनी चाहिए तब जाकर शिवगंज शहर की जनता गाढी कमाई लुटकर चले गए उनसे वापस वसुली जाएँ

जैसाराम माली अध्यक्ष जवाई पर्यावरण एव वन विकास समिति शिवगंज

यूनिफाइड पेन्शन स्कीम कर्मचारी हित में नहीं गहलोत

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज – केन्द्र सरकार द्वारा सरकारी कर्मचारियों के लिए युनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) को मंजूरी दिये जाने की घोषणा का राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील) के प्रदेश मुख्य महामंत्री धर्मेन्द्र गहलोत ने विरोध व्यक्त कर कहां कि पुरानी पेन्शन योजना ही स्वीकार होगी संघ (प्रगतिशील) के प्रदेश मुख्य महामंत्री धर्मेन्द्र गहलोत ने कहा कि केन्द्रीय केबिनेट की कल प्रधानमंत्री आवास पर आयोजित बैठक में सरकारी कर्मचारियो के यूनिफाइड पेंशन स्कीन (यूपीएस) को मंजूरी दिये जाने के बाद से कर्मचारी वर्ग में यूपीएस को लेकर सरकारी कर्मचारियो में जबरदस्त आक्रोश पनप रहा रहा है, क्योंकि इस योजना की मंजूरी के बाद यह तो स्पष्ट हो गया है कि कर्मचारियों को मिलने वाली पुरानी पेन्शन योजना का बन्द होना तय है। केन्द्र ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि कर्मचारी को यूपीएस या एनपीएस चुनने का विकल्प दिया जायेगा गहलोत ने कहा कि कर्मचारियों के लिए पहले से पुरानी पेन्शन योजना

लागू है ऐसे में कभी एनपीएस और कभी यूपीएस जैसी योजना लागू करने का उद्देश्य स्पष्ट है कि पेन्शन में कर्मचारियों को मिलने वाली सुविधाओं मे कटौती करना है। अब कर्मचारियों ने एवं प्रदेश में संगठनों ने एक स्वर में पुरानी पेन्शन योजना के स्थान पर किसी भी अन्य योजना को लागू किये जाने का प्रखर विरोध करने का निर्णय लिया है। सरकार द्वारा कर्मचारियो से उनके बुढ़ापे की लाठी छीनने व नुकसान पहुं?चाने का काम किया जा रहा है। जिससे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जायेगा। प्रदेश कार्यकारिणी ने केन्द्र सरकार के फैसले का विरोध व्यक्त कर पुरानी पेन्शन योजना के अलावा किसी भी योजना को स्वीकार नही करने का निर्णय किया है। समय रहते केन्द्र सरकार ओ पी एस पर निर्णय नही करती है तो आने वाले समय में सरकार को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा संरक्षक श्याम लाल आमेटा, सभाध्यक्ष धुलीराम डाँगी, प्रदेशाध्यक्ष नीरज शर्मा, कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष नरेन्द्र कुमार शर्मा, महिला मंत्री प्रिती गुर्जर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष लच्छीराम गुर्जर, डॉ. हनवन्त सिंह मेड़तिया, शिक्षक नेता बृजमोहन मीणा, राम बाबूसिंह, जयकिशन पंचारिया, उदयलाल डामोर,सविता शर्मा, इनामुल हक कुरैशी, देवेश खत्री, छगनलाल भाटी, सत्यनारायण बैरवा, मनोहर सिंह चौहान, इंद्रमल खंडेलवाल, राहुल कुमार, रमेश दहिया, धर्मेन्द्र खत्री, गुरुदीन वर्मा, शकील मोह?म्मद, रईस खान, भगवत सिंह देवड़ा, प्रकाशचन्द्र खटीक, रामकल्याण गुर्जर सहित सभी राज्य भर के नेताओं ने यूपीएस योजना का विरोध कर कड़ी नाराजगी व्यक्त की है।

धार्मिक उत्सवों मेलों शोभायात्राओं से पूर्व बिखरी गड्ढो वाली सड़क रोड़ लाइट सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने हेतु

द पुलिस पोस्ट

सिरोही यह कि श्री जन्माष्टमी पर्व से लेकर श्री गणेश चतुर्थी बाबा श्री रामदेव जी शोभायात्रा श्री सारणेश्वर महादेव श्री मां कालिका माता मेला रेवाड़ी इत्यादि आगामी दिनों में होने जा रहे हैं शहर में सड़कें जगह जगह बिखरी गड्ढो में समाहित हो चुकी है कुछ सड़कें एल & टी द्वारा सिवरेज के कुछ सड़कें गैस लाइन के नाम कुछ पानी की पाइप लाइन की वजह से एवं कुछ सड़कें सार्वजनिक निर्माण विभाग, नगर परिषद के घटिया निर्माण कार्य की वजह से बिखर कर गड्डो में तब्दील हो चुकी है आप संम्बन्धित विभाग कार्यकारी एजेंसी से बात कर धार्मिक शोभायात्रा मेले इत्यादि से पूर्व बिखरी गड्ढों वाली सड़कों को ठिक करवाकर आमजन को राहत दिलावे आगामी धार्मिक महोत्सव शोभायात्रा मेलों से पूर्व संम्पूर्ण गली मोहल्लों सड़कों धार्मिक आयोजन स्थलों पर रोड़ लाइटों सड़क नालीयो की पूर्ण रूप से सफाई व्यवस्था के साथ डी डी टी पाउडर का छिड़काव करावे आगामी श्री सारणेश्वर महादेव जी मेले एवं रेवाड़ी को ध्यान में रखते हुए दुधिया तालाब मंदाकिनी तालाब लाखेराव तालाब किनारे बैरिकेडिंग करवाने की नगर परिषद एवं जिला प्रशासन व्यवस्था सुनिश्चित करावे शहर के जागरूक जनप्रतिनिधि समाजसेवी जगदीश सैन ने शहर की समस्याओ से परेशान होकर हमेशा समस्या उठाते रहते है की शहर स्वस्थ्य व सुरक्षित रहे कभी भी कही भी सड़क टूटी फुटी हो उसे उठाकर ठीक व मरम्मत

करवाने के लिए लड़ाई लडते रहते है परिषद मे फजीर्वाडा व फर्जी पट्टो अवैध अतिक्रमण सहित कुछ भी अवैध कार्य उच्च अधिकारीओ तक कारवाई पहुंचाते रहते है।

विकारी कंस का अंत करने के लिए ही जन्मे थे भगवान श्रीकृष्ण!

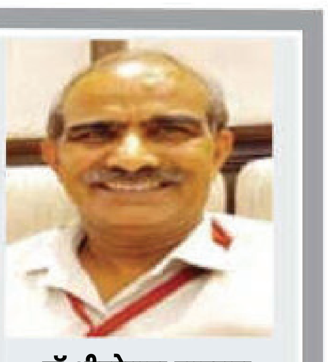

डॉ श्रीगोपाल नारसन

वृंदावन, जिसे भगवान श्रीकृष्ण की लीलास्थली कहा जाता है, में जन्माष्टमी का पर्व 27 अगस्त को मनाया जाएगा। वृंदावन के प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर में इस अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन होगा। बांके बिहारी मंदिर में जन्माष्टमी के दिन ही विशेष मंगला आरती की जाती है, जिसे देखने के लिए देश-विदेश से श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं।

भाद्रपद महीने के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को रात 12 बजे के समय श्रीकृष्ण ने कंस का अंत करने के लिए ही धरती पर जन्म लिया था। तभी से उनके जन्मदिन को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के रूप में मनाया जाता है।इस बार पंचांग के अनुसार, सुबह 5 बजकर 55 मिनट से 7 बजकर 36 मिनट तक अमृत चौघड़िया रहने वाला है। ये योग पूजा के लिए शुभ है। इसके बाद अमृत चौघड़िया पूजन का मुहूर्त 3 बजकर 36 मिनट 6 बजकर 48 मिनट तक है।

निशीथ काल में भी आप पूजा कर सकते हैं, जो रात में 12 बजकर 1 मिनट से 11 बजकर 44 मिनट तक है।भगवान के जन्मोत्सव को लेकर भक्तों में अलग ही उत्साह और धूम देखने को मिलती है। इस दिन भक्त सच्चे मन से भगवान की पूजा-अर्चना कर उनके नाम का उपवास रखते हैं, रात्रि के समय भगवान को स्नान आदि करा 56 भोग का प्रसाद चढ़ाया जाता है, इसके बाद श्रीकृष्ण के जन्म के समय विशेष पूजा की जाती है।इस बार जन्माष्टमी पर चंद्रमा वृषभ राशि में ही विराजमान रहेंगे, माना जाता है कि जब कृष्ण भगवान का जन्म हुआ था तब भी ऐसा ही योग बना था। इस बार श्रीकृष्ण जन्माष्टमी सोमवार को मनाई जा रही है, सोमवार के दिन ही भगवान कृष्ण का नामकरण हुआ था। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग का संयोग भी बन रहा है।जन्माष्टमी भले ही रंगों का त्यौहार न हो,लेकिन इस दिन अलग अलग रंग के कपड़ों का अलग महत्व होता है। कुछ रंगों के कपड़ों को पहनना बहुत शुभ माना जाता है। कुछ रंग तो भगवान श्रीकृष्ण को बेहद प्रिय रहे हैं और इन रंगों को पहनने से व्यक्ति को मानसिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति की प्राप्ति होती है। वैसे तो त्योहार के दिन किसी भी हल्के रंग के कपड़ों को पहनना शुभ माना जाता है, मगर कुछ रंगों का चयन अत्यंत लाभकारी होता है। भगवान श्री कृष्ण के प्रति अपने मन में श्रद्धा और भक्ति रखकर अपने कपड़ों के लिए मनमुताबिक रंग का ड्रेस खरीद सकते हैं।गुलाबी रंग प्रेम और सुख का प्रतीक है। इस रंग को शुक्र ग्रह से भी जोड़कर देखा जाता है। जन्माष्टमी के दिन गुलाबी रंग के कपड़े पहन सकते हैं ,जो जीवन में प्रेम और सुख-समृद्धि का प्रतीक है।जन्माष्टमी के त्योहार के लिए लाल रंग को बेहद शुभ माना जाता है। लाल रंग ऊर्जा और साहस का प्रतीक भी माना जाता है। लाल रंग को मंगल ग्रह से भी जोड़ कर देखा जाता है। ऐसे में इस साल कृष्ण जन्माष्टमी के त्योहार पर लाल रंग के कपड़े पहनते हैं तो जीवन में भी अकूत उत्साह और ऊर्जा की वृद्धि होगी।पीला रंग भगवान विष्णु का प्रिय रंग है, धर्मिक मान्यता के अनुसार, श्रीकृष्ण उन्हीं के अवतार हैं। ऐसे में अगर जन्माष्टमी के दिन पीले रंग के कपड़े पहनते हैं तो जीवन में खुशियां और समृद्धि बनी रहती है। साथ ही भगवान कृष्ण की विशेष कृपा बनी रहती है।सफेद रंग शांति का प्रतीक है और इसे चंद्रमा से जोड़कर देखा जाता है। ऐसे में सफेद रंग के कपड़े पहने तो जीवन में सुख-शांति और समृद्धि बढ़ती है।नीला रंग को सीधे तौर पर भगवान श्रीकृष्ण से जोड़कर देखा जाता है।नीले रंग का कपड़ा पहनने से मानसिक शांति मिलती है, साथ ही जीवन की अन्य परिस्थितियों में भी संतुलन बना रहता है।हरे रंग को हरियाली से जोड़कर देखा जाता है। साथ ही हरे रंग को खुशहाली का प्रतीक भी माना जाता है। ऐसे में जन्माष्टमी के दिन अगर आप हरे रंग का कपड़ा पहते हैं तो भगवान कृष्ण की कृपा हमेशा बनी रहती है।जन्माष्टमी पर लाखों कृष्ण भक्त मंदिर में ठाकुर जी के बाल रूप के दर्शन करने पहुंचते हैं। मथुरा और वृंदावन में तो जन्माष्टमी की धूम रहती है। जन्माष्टमी भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का प्रतीक है, जो अधर्म पर धर्म की विजय और प्रेम, भक्ति, और ज्ञान का संदेश देता है।जन्माष्टमी पर गायन है,नन्द के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की, हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की।श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार, जन्माष्टमी के उत्सव की शुरूआत 26 अगस्त को सुबह 5.30 बजे मंगला आरती से होगी। इसके बाद, सुबह 8.00 बजे भगवान का पंचामृत अभिषेक किया जाएगा। रात्रि 11.00 बजे से मुख्य कार्यक्रमों का शुभारंभ होगा, जिसमें श्रीकृष्ण के जन्म की महाआरती का आयोजन विशेष आकर्षण होगा। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों को भव्य रूप से सजाया गया है, जिससे श्रद्धालु यहां आकर आस्था और भक्ति के वातावरण में डूब सकें।

वृंदावन, जिसे भगवान श्रीकृष्ण की लीलास्थली कहा जाता है, में जन्माष्टमी का पर्व 27 अगस्त को मनाया जाएगा। वृंदावन के प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर में इस अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन होगा। बांके बिहारी मंदिर में जन्माष्टमी के दिन ही विशेष मंगला आरती की जाती है, जिसे देखने के लिए देश-विदेश से श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं।जन्माष्टमी की रात 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण का बाला महाभिषेक किया जाएगा, जो कि करीब 2 घंटे तक चलेगा। यह अभिषेक केवल एक बार, इसी दिन किया जाता है। इसके बाद ठाकुर जी को पीतांबरी पोशाक और चिरौंजी मेवे से बनी पंजीरी का भोग लगाया जाएगा। इस महाभिषेक और मंगला आरती को देखने के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ेगी, जिससे पूरे वृंदावन का वातावरण भक्तिमय हो जाएगा।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

संपादकीय

चुनाव और राजनीति

शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद से अब तक यहां दो महत्त्वपूर्ण राजनीतिक घटनाएं हुई हैं जो किसी-न-किसी रूप में चुनाव परिणामों को प्रभावित करने वाले साबित हो सकते हैं। पहला राम माधव की भाजपा की मुख्यधारा की राजनीति में वापसी और दूसरा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की जम्मू-कश्मीर की यात्रा। आतंकवाद से पीड़ित इस सूबे में एक दशक बाद चुनाव होने जा रहा है। 2014 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को 25 सीटों पर विजय हासिल थी। पार्टी के लिए यह भारी जीत थी क्योंकि 2008 के चुनाव में उसे केवल 11 सीटें मिली थीं। 2014 के चुनाव में भाजपा को जो जीत हासिल हुई थी उसका श्रेय राम माधव को दिया गया था। वह तब सूबे के चुनाव प्रभारी थे। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीड़ीपी) के साथ भाजपा के गठबंधन का सूत्रधार भी उन्हें ही माना जाता है। उनकी इसी प्रतिभा के कारण शायद भाजपा ने फिर से उन्हें सूबे का चुनाव प्रभारी बनाया है। संविधान के अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद सूबे की प्रकृति काफी बदल गई है। जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश है और परिसीमन के बाद विधानसभा की सीटें बढ़कर 90 हो गई हैं। जम्मू संभाग में पहले ३७ सीटें थीं, जो अब बढ़कर 43 हो गई हैं। कश्मीर घाटी में 47 सीटें हैं। सूबे में पहली बार अनुसूचित जनजाति के लिए 9 सीटें आरक्षित हैं। जाहिर है अब नई तरह की परिस्थितियां हैं ऐसे में सभी राजनीतिक दलों को नई चुनौतियों का सामना करना होगा। राहुल गांधी की कश्मीर यात्रा के बाद कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस के बीच चुनावी गठबंधन को लेकर जो धुंध की चादर पड़ी हुई थी वह छंट गई है। फारुखे ने अनु. 370 बहाल करने की बात कही जबकि राहुल ने इसका जिक्र नहीं किया। अलबत्ता दोनों ने राज्य का दर्जा बहाल करने को प्राथमिकता बताया। चुनाव परिणामों की दृष्टि से देखा जाए तो घाटी में भाजपा की स्थिति कमजोर है जबकि जम्मू संभाग में कांग्रेस, एनसी और पीड़ीपी का जनाधार मजबूत नहीं है। यह सुनि त है कि सूबे में किसी एक दल को बहुमत नहीं मिलने वाला।

चिंतन-मनन

सुख की उपेक्षा क्यों?

मेरे पास लोग आते हैं। जब वे अपने दुख की कथा रोने लगते हैं, तो बड़े प्रसन्न मालूम होते हैं। उनकी आंखों में चमक मालूम होती है। जैसे कोई बड़ा गीत गा रहे हों! अपने घाव खोलते हैं, लेकिन लगता है जैसे कमल के फूल ले आए हैं। सुख की तो कोई बात ही नहीं करता। और ऐसा नहीं है कि सुख नहीं है; हम सुख पर पर ध्यान नहीं देते हैं। हम दुःख-दुख चुन लेते हैं; हम सुख की उपेक्षा कर देते हैं। फिर जिसकी उपेक्षा कर देते हैं, स्वभावतः धीरे-धीरे वह दूर चला जाता है और जिसमें हम रस लेते हैं वह पास होता चला जाता है। संतों की बात तुम्हें तभी जमेगी, रुचेगी, भली लगेगी, प्रीतिकर मालूम होगी-जब तुम दुख को पकड़ना छोड़ दोगे; जब तुम जागोगे और सुख की सचेष्ट खोज शुरू करोगे। तुम्हारे भीतर अगर अभी भी दुख को पकड़ने का आयोजन चल रहा है, तो संतों के वचन तुम्हारे कानों में गूजेंगे और खो जाएंगे। तुम्हारे हृदय तक नहीं पहुंचेंगे। क्योंकि संतों के वचनों में बड़ा सुख भरा है। तुम सुखोन्मुख हो जाओ, तुम आनंद की खोज में लग जाओ; तो ये एक-एक शब्द ऐसे जाएंगे तुम्हारे भीतर जैसे तीर चले जाएं। और ये एक-एक शब्द तुम्हारे भीतर ऐसे-ऐसे हजार-हजार फूल खिला देंगे, जैसे कभी न खिले थे। तुम्हारे भीतर बड़ी रोशनी होगी।

ये छोटे-छोटे शब्द हैं। मगर ये बड़े सार्थक शब्द हैं। सुनो-   बोलू हरिनाम तू छोड़ि दे काम सब, सहज में मुक्ति होई जाय तेरी।काम यानी कामना। काम यानी वासना। काम यानी इच्छा, तृष्णा। यह मिले वह मिले-कुछ मिले! जब तक हम मिलने की दौड़ में होते हैं, हम भिखमंगे होते हैं। और जब तक हम भिखमंगे होते हैं, तब तक परमात्मा नहीं मिलता। परमात्मा भिखमंगों को मिलता ही नहीं। परमात्मा सम्राटों को मिलता है। परमात्मा उनको मिलता है जो अपने मालिक है। परमात्मा उनको मिलता है जो कुछ मांगते ही नहीं। असल में वे ही परमात्मा को मांगने में कुछ सफल हो पाते हैं, जो और कुछ नहीं मांगते। जिन्होंने कुछ और मांगा, वे परमात्मा को कैसे मांगेंगे। वह जबान फिर परमात्मा को मांगने के योग्य न रह गई। वह जबान अपवित्र हो गई। जिस जबान से बेटा मांगा, बेटी मांगी, धन मांगा, पद मांगा, प्रतिष्ठा मांगी-उसी जबान से परमात्मा को मांगोगे? इस जहर भरे पात्र में अमृत रखोगे? यह जबान जब तक मांगती है तब तक संसार है। जिस दिन यह जबान मांगती नहीं, उस दिन परमात्मा की यात्रा शुरू हुई। उस दिन बिन मांगे मिलता है। ऐसे तो मांगे-मांगे भी नहीं मिलता।

शासन और प्रशासन के सामने न्यायपालिका का समर्पण?

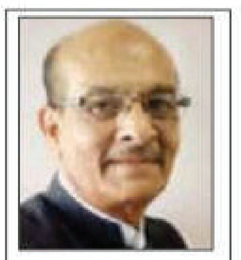

सनत जैन

पिछले कुछ वर्षों से सरकार और प्रशासन के निर्देश पर तुरंत दान महाकल्याण की तरह, घटनास्थल पर ही फैसला करने की प्रवृत्ति बढ़ती ही जा रही है। भीड़तंत्र भी सरकार और प्रशासन से जो चाहता है वह करा लेता है। कानून के नाम पर शासन और प्रशासन को जो अधिकार मिले हैं यदि उनके द्वारा इनका दुरुपयोग किया जाता है तो ऐसी स्थिति में जनता का विश्वास शासन और प्रशासन पर खत्म होने लगता है। शासन और प्रशासन अपने ही बनाए गए कानून का पालन नहीं कर रहे हैं। न्यायपालिका के अधिकारों का उपयोग प्रशासन खुलकर करने लगा है। इसके बाद भी भारत की न्यायपालिका मौन साध करके तमाशा देख रही है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यही कहा जा रहा है, न्यायपालिका ने सरकार और प्रशासन के सामने समर्पण कर दिया है। भारत में संविधान लागू है। किसी भी मामले में विवाद अथवा अपराध होने पर जांच एजेंसी जांच करती हैं। जांच करने के बाद न्यायालय में मामले को पेश करती हैं। फैसला न्यायपालिका को ही करना होता है। शासन को कानून और नियम बनाने का अधिकार है। संविधान के दायरे में नागरिकों के मौलिक अधिकारों को सुरक्षित रखते हुए, कानून और नियम बनाने के अधिकार सरकार के पास हैं। सरकार द्वारा बनाए गए कानून और नियमों का पालन कराने का अधिकार संविधान ने प्रशासन को दिया है। कानून का उल्लंघन करने के आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता है। फैसला न्यायालय ही कर सकती है। फैसला करने का अधिकार शासन और प्रशासन को नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में बुलडोजर संस्कृति और भीड़तंत्र तुरत-फुरत फैसला कर रहा है। शासन और प्रशासन किसी को भी अपराधी घोषित कर, कुछ ही घंटों में उसके मकान और संपत्ति को बुलडोजर से गिरा देती है। एक व्यक्ति के अपराध की सजा पूरे परिवार को बिना किसी अपराध के दे देती है। अपराध व्यक्ति द्वारा किया गया है। जांच किए बिना एक व्यक्ति के अपराध की सजा पूरे परिवार को देने की बुलडोजर संस्कृति उत्तर प्रदेश से शुरू हुई थी। जो अब कई राज्यों में फैल गई है। विशेष बात यह है, कि एक धर्म समुदाय के लोगों पर ही इस तरह की कार्रवाई की जा रही है। राजनीतिक कारणों से अभी कोई विपक्षी दलों के राजनेता इस संबंध में कोई प्रतिक्रिया नहीं देते थे, लेकिन जिस तरह से आए दिन बुलडोजर से घटना के कुछ ही घंटे बाद आरोपी की संपत्ति और उसके मकान को गिराया जा रहा है। उसकी प्रतिक्रिया अब पूरे देश में हो रही है। हाल ही में मध्य प्रदेश के छतरपुर में जिस तरह की घटना हुई है। उस मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। आरोपी का करोड़ों रुपए की लागत का मकान एवं अन्य संपत्ति को अतिक्रमण मानते हुए बुलडोजर से ढहाया गया है। जिस मकान को गिराया गया है, उसको बनाने के लिए बैंक ने लोन दिया था। बैंक ने सारे कागज सर्च किए थे। सारी परमिशन उसके पास थी, उसके बाद भी शासन और प्रशासन की नाराजगी के चलते आरोपी का मकान गिरा दिया गया। वहां पर जो गाड़ियां खड़ी थीं, उन्हें बुलडोजर से तोड़ दिया गया। यह घटना टीवी पर दिखाई गई। इस घटना के माध्यम से शासन और प्रशासन ने एक धर्म समुदाय के लोगों को आतंकित करने का काम किया है। अब इसकी जो जानकारी सामने आई है, उसके बाद विपक्षी दलों ने इस मामले में तीखी प्रतिक्रिया देते हुए विरोध जताया है। बुलडोजर एक्शन पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका गांधी, दिग्विजय सिंह और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश सिंह ने कार्यवाही का विरोध किया है। विपक्षी दल के नेताओं ने कहा, अपराध पर सजा देने का काम न्यायालयों का है। पुलिस द्वारा मामले की जांच नहीं की गई और आरोपी का मकान गिरा दिया गया। सही मायने में यह अन्याय की पराकाष्ठा है। कानून के रखवाले ही यदि कानून को तोड़ने का काम कर रहे हैं। संविधान, लोकतंत्र और मानवता का पालन नहीं कर रहे हैं। अपने ही बनाए गए कानून और नियमों का पालन नहीं करके आम जनता को आतंकित कर रहे हैं। शासन और प्रशासन की देखा-देखी भीड़ भी मौके पर न्याय करने लगी है। भीड़ सरेआम लोगों की हत्या कर रही है। देश में कई मावलीचिंग की घटनाएं हो चुकी हैं। इस तरह की घटनाओं में कई लोग मारे जा चुके हैं। उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में घटना के तुरंत बाद सैकड़ों आरोपियों के मकान पिछले कुछ समय से तोड़े जा रहे हैं। आरोपी के परिवार को घर से बेघर कर दिया गया है। इस तरह की घटनाओं पर अब विपक्ष ने तो मोर्चा संभाला है। अदालतों के अधिकारों का उपयोग प्रशासन करने लगा है। शासन और प्रशासन न्यायपालिका और उसके आदेशों को ठेंगा दिखा रहे हैं। ऐसी स्थिति में न्यायपालिकाएं अपने अस्तित्व की रक्षा कैसे कर पाएंगी? इसे आसानी से समझा जा सकता है। जब आदमी हर तरह से हार जाता है, तब वह न्यायालय और मीडिया की शरण में जाता है। यदि न्यायालय पर आम आदमी का विश्वास खत्म हो गया। तो, जो स्थिति हाल ही में बांग्लादेश और श्रीलंका में देखने को मिली है, वह भारत में भी जल्द ही देखने को मिल सकती है। अन्याय अब पराकाष्ठा पर पहुंच गया है। जब आम नागरिकों का न्याय व्यवस्था को लेकर विश्वास खत्म हो जाता है। शासन और प्रशासन पर भी विश्वास नहीं रहता है। तभी नक्सलवाद, आतंकवाद और फूलन देवी जैसे डकैत पैदा होते हैं। बांग्लादेश, श्रीलंका ही क्यों 1917 में रूस की जार क्रांति भी जनरोष के कारण ही तो हुई थी। जब-जब इस तरह की स्थिति बनती है, तब-तब जनता ही न्याय करने लगती है। अराजकता की यह स्थिति तब बनती है, जब जनता का न्याय व्यवस्था और राजा के ऊपर विश्वास खत्म हो जाता है। समय रहते न्यायपालिका को अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी को समझना होगा। यदि विलंब हुआ तो न्यायपालिका के अस्तित्व पर भी संकट खड़ा होना तय है। भारत की संवैधानिक व्यवस्था में न्याय करने का अधिकार केवल और केवल न्यायपालिका के पास है।

महिला समानता दिवसः महिलाओं को समानता एवं सक्षमता के पंख देने होंगे

ललित गर्ग

दुनिया भर में, महिलाओं को सशक्त बनाने, शिक्षा से लेकर राजनीति और आर्थिक भागीदारी तक विभिन्न क्षेत्रों में लैंगिक असमानताओं को दूर करने के प्रयासों को तीव्र गति देने के लिये महिला समानता दिवस 26 अगस्त को मनाया जाता है। सन 1920 में इस दिन संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान में 19वां संशोधन स्वीकार किया गया था। यह दिन महिलाओं को पुरुषों के समान मानने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। न्यूजीलैंड विश्व का पहला देश है, जिसने 1893 में महिला समानता की शुरूआत की। महिलाओं को समानता का दर्जा दिलाने के लिए लगातार संघर्ष करने वाली एक महिला वकील बेल्ला अब्जुग के प्रयास से 1971 से 26 अगस्त को   महिला समानता दिवस के रूप में मनाया जाने इस वर्ष की थीम है समता को अपनाएं, जो न केवल महिलाओं की व्यक्तिगत उन्नति के लिए बल्कि समाज की समग्र प्रगति के लिए भी महिलाओं को सशक्त बनाने के महत्व पर केन्द्रित है। यह व्यापक मानवाधिकारों और सतत विकास के साथ लैंगिक समानता के परस्पर संबंध पर जोर देता है।

महिला समानता दिवस से जुड़ा हुआ रंग बैंगनी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त, बैंगनी रंग महिलाओं और लैंगिक समानता का प्रतीक है। यह न्याय और गरिमा का प्रतिनिधित्व करता है, और अक्सर दूरदर्शी सोच और महिलाओं के अधिकारों के लिए चल रही लड़ाई को दशार्ने के लिए उपयोग किया जाता है। महिलाएं ही समस्त मानव प्रजाति की धुरी हैं। वो न केवल बच्चे को जन्म देती हैं बल्कि उनका भरण-पोषण और उन्हें संस्कार भी देती हैं। महिलाएं अपने जीवन में एक साथ कई भूमिकाएं जैसे- मां, पत्नी, बहन, शिक्षक, दोस्त बहुत ही खूबसूरती के साथ निभाती हैं। बावजूद क्या कारण है कि आज हमें महिला समानता दिवस मनाये जाने की आवश्यकता है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिये जरूरी है कि अधिक महिलाओं को रोजगार दिलाने के लिए भारत सरकार को जरूरी कदम उठाने होंगे। सरकार को अपनी लैंगिकवादी सोच को छोड़ना पड़ेगा।

भारत में महिलाओं की उपेक्षा, भेदभाव, अत्याचार एवं असमानता के कारण महिला समानता ज्यादा अपेक्षित है। भारत ने महिलाओं को आजादी के बाद से ही मतदान का अधिकार पुरुषों के बराबर दिया, परन्तु यदि वास्तविक समानता की बात करें तो भारत में आजादी के 78 वर्ष बीत जाने के बाद भी महिलाओं की स्थिति चिन्ताजनक एवं विसंगतिपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने में काफी प्रगति देखी गयी है, खासकर शिक्षा और राजनीतिक प्रतिनिधित्व जैसे क्षेत्रों में। नारी शक्ति वन्दन अधिनियम-2023 के माध्यम से नारी शक्ति को राजनीति में समानता देने की शुरूआत हुई है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसी सरकारी पहलों ने समाज में महिलाओं और लड़कियों की स्थिति को सुधारने पर ध्यान केंद्रित किया है। इसके अतिरिक्त, कार्यबल और नेतृत्व की भूमिकाओं में महिलाओं की भागीदारी धीरे-धीरे बढ़ रही है। इन प्रगतियों के बावजूद, महत्वपूर्ण चुनौतियाँ बनी हुई हैं। भारत में लैंगिक असमानता अभी भी व्याप्त है, खासकर ग्रामीण इलाकों में, जहाँ महिलाओं को अक्सर शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा में बाधाओं का सामना करना पड़ता है। बाल विवाह, घरेलू हिंसा और लैंगिक वेतन अंतर जैसे मुद्दे समानता की दिशा में प्रगति में बाधा डालते रहते हैं। कार्यस्थल पर लैंगिक समानता हासिल करना भारत सहित विश्व भर में एक महत्वपूर्ण लक्ष्य बना हुआ है। समान कार्य के लिए समान वेतन को बढ़ावा देने वाली नीतियों के माध्यम से इस असमानता को दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

भारत सरकार के खुद के कर्मचारियों में केवल 11 प्रतिशत महिलाएं हैं। सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिये अधिक एवं नये अवसर सामने आने जरूरी है। क्योंकि देश में ऐसी महिलाएं नजर आती हैं, जो सभी प्रकार के भेदभाव के बावजूद प्रत्येक क्षेत्र में एक मुकाम हासिल कर चुकी हैं और सभी उन पर गर्व भी महसूस करते हैं। परन्तु इस कतार में उन सभी महिलाओं को भी शामिल करने की जरूरत है, जो हर दिन अपने घर में और समाज में महिला होने के कारण असमानता, अत्याचार एवं उपेक्षा को झेलने के लिए विवश है। आये दिन समाचार पत्रों में लड़कियों के साथ होने वाली छेड़छाड़ और बलात्कार जैसी खबरों को पढ़ा जा सकता है, परन्तु इन सभी के बीच वे महिलाएं जो अपने ही घर में सिर्फ इसीलिए प्रताड़ित हो रही हैं, क्योंकि वह एक औरत है। सेंटर फॉर मॉनीटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) नाम के थिंक टैंक ने बताया है कि भारत में केवल 7 प्रतिशत शहरी महिलाएं ऐसी हैं, जिनके पास रोजगार है या वे उसकी तलाश कर रही हैं। सीएमआईई के मुताबिक, महिलाओं को रोजगार देने के मामले में हमारा देश इंडोनेशिया और सऊदी अरब से भी पीछे है। किसी देश या समाज में अचानक या सुनियोजित उथल-पुथल होती है, कोई आपदा, युद्ध एवं राजनीतिक या मनुष्यजनित समस्या खड़ी होती है तो उसका सबसे ज्यादा नकारात्मक असर स्त्रियों पर पड़ता है और उन्हें ही इसका खामियाजा उठाना पड़ता है।

दावोस में हुए वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम में ऑक्सफैम ने अपनी एक रिपोर्ट टाइम टू केयर में घरेलू औरतों की आर्थिक स्थितियों का खुलासा करते हुए दुनिया को चौका दिया था। वे महिलाएं जो अपने घर को संभालती हैं, परिवार का ख्याल रखती हैं, वह सुबह उठने से लेकर रात के सोने तक अनगिनत सबसे मुश्किल कामों को करती है। अगर हम यह कहें कि घर संभालना दुनिया का सबसे मुश्किल काम है तो शायद गलत नहीं होगा। दुनिया में सिर्फ यही एक ऐसा पेशा है, जिसमें 24 घंटे, सातों दिन आप काम पर रहते हैं, हर रोज क्राइसिस झेलते हैं, हर डेडलाइन को पूरा करते हैं और वह भी बिना छु ी के। सोचिए, इतने सारे कार्य-संपादन के बदले में वह कोई वेतन नहीं लेती। उसके परिश्रम को सामान्यतः घर का नियमित काम-काज कहकर विशेष महत्व नहीं दिया जाता। साथ ही उसके इस काम को राष्ट्र की उन्नति में योगभूत होने की संज्ञा भी नहीं मिलती। प्रश्न है कि घरेलू कामकाजी महिलाओं के श्रम का आर्थिक मूल्यांकन क्यों नहीं किया जाता? घरेलू महिलाओं के साथ यह दोगला व्यवहार क्यों? दरअसल, इस तरह के हालात की वजह सामाजिक एवं संकीर्ण सोच रही है। पितृसत्तात्मक समाज-व्यवस्था में आमतौर पर सत्ता के केंद्र पुरुष रहे और श्रम और संसाधनों के बंटवारे में स्त्रियों को हाशिये पर रखा गया है। सदियों पहले इस तरह की परंपरा विकसित हुई, लेकिन अफसोस इस बात पर है कि आज जब दुनिया अपने आधुनिक और सभ्य होने का दावा कर रही है। एक बड़ा प्रश्न है कि आखिर कब तक सभी वंचनाओं,

महामारियों एवं राष्ट्र-संकटों की गाज स्त्रियों पर गिरती रहेगी।

जहां देश में प्रधानमंत्री के पद पर इंदिरा गांधी और वर्तमान में राष्ट्रपति के पद पर द्रोपदी मुर्मू हैं। पि म बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी राज्य की बागडोर संभाल रही हैं। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष भी एक महिला मायावती हैं। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को तो विश्व की ताकतवर महिलाओं में शुमार किया ही जा चुका है। पूर्व में लोकसभा में विपक्ष की नेता के पद पर सुषमा स्वराज और लोकसभा अध्यक्ष के पद पर मीरा कुमार ने भी महिला के गौरव को बढ़ाया हैं। कॉरपोरेट सेक्टर, बैंकिंग सेक्टर जैसे क्षेत्रों में इंदिरा नूई और चंदा कोचर जैसी महिलाओं ने अपना लोहा मनवाया है। वर्तमान में निर्मला सीतारमण सहित अनेक महिलाओं ने राजनीति में अपनी छाप छोड़ रही है। हमारी सेना में महिलाओं की यथोचित भागीदारी उसे ज्यादा शालीन, सामाजिक, योग्य और कारगर ही बनाएगी।

युगों से आत्मविस्मृत महिलाओं को अपनी अस्मिता और कर्तृत्वशक्ति का तो अहसास हुआ ही है, साथ ही उसकी व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व चेतना में क्रांति का ऐसा ज्वालामुखी फूटा है, जिससे भेदभाव, असमानता, रूढ़संस्कार जैसे उन्हें कमतर समझने की मानसिकता पर प्रहार हुआ है। पुरुषवर्ग महिलाओं को देह रूप में स्वीकार करता है, किन्तु आधुनिक महिलाओं ने अपनी विविधआयामी प्रतिभा एवं कौशल के बल पर उनके सामने मस्तिष्क एवं शक्ति बनकर अपनी क्षमताओं का परिचय दिया है, वही अपने प्रति होने वाले भेदभाव का जबाव सरकार, समाज एवं पुरुषों को देने में सक्षम है, महिला समानता दिवस यदि उनकी सक्षमता को पंख दे रहा है तो यह जागरूक एवं समानतामूलक विश्व-समाज की संरचना का अभ्युदय है।

फजीर्वाडा की हद पार कर जनता के साथ धोखाधड़ी

सुमेरपुर के निजी बैंक संचालकों ने मिलकर जनता की कमाई से ली जमीनो व पैसा जब्त करना चाहिए

संचालकों ने जनता की गाढी कमाई लुटकर अपने परिवारों के नाम की सम्पती को जब्त करनी चाहिए

मास्टर प्लान के ग्रीन बेल्ट में जमीनें आवासीय बताकर एक ही खसरा एक ही नाप दो कोलोनी स्वीकृत करवाना वरिष्ठ नगर नियोजक जोधपुर के बडे अधिकारीयों की मिली भक्ति से अवैध कार्य हो रहे है..

संचालकों की समपूर्ण सम्पती जब्त कर गरीबों के लूटे पैसे देने चाहिए एक एक जाँच कर समपूर्ण धन वसुलना होगा

द पुलिस पोस्ट

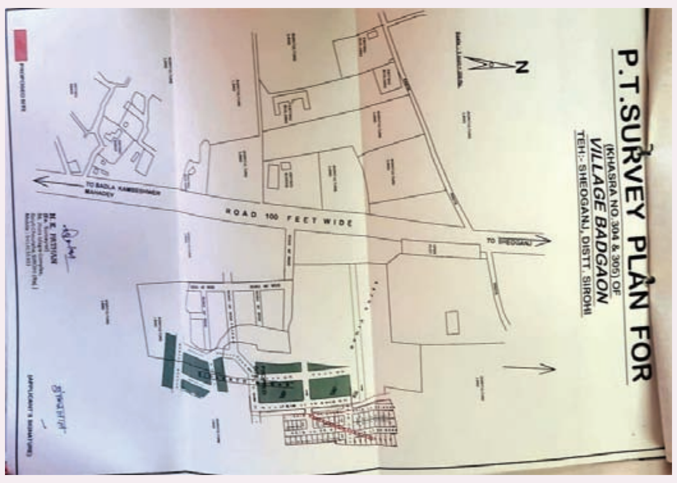

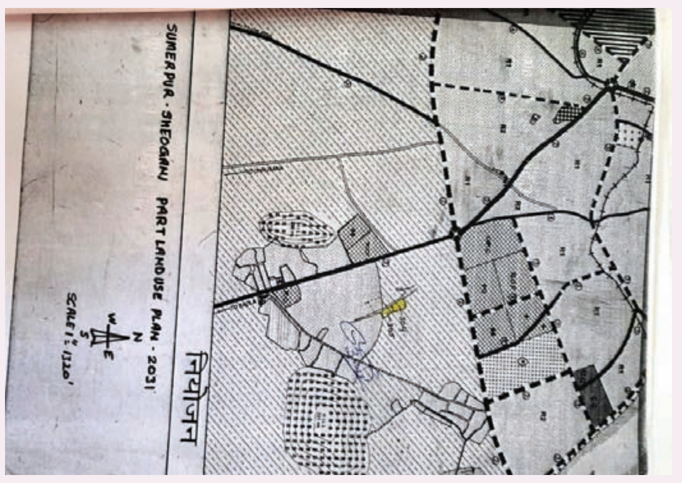

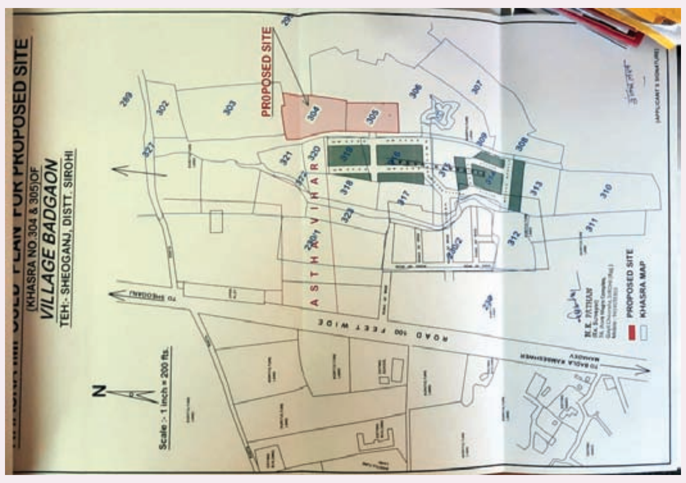

शिवगंज सुमेरपुर व शिवगंज के बेक संचालकों ने मिलकर शिवगंज व आसपास गांवो व क्षेत्रों में खरीदी जमीन अन्य के नाम से खरीदी जमीन अन्य के पास पडे पैसा जैसे दलालों के नाम की सम्पती व धन को जब्त करना चाहिए वह बडी रकम अपने दलालों के पास पडे है ईनका सबसे बडा दलाल भी एक सबसे बडा गोकुलवाडी से ही है वह अन्य को अपने परिवारों के नाम की सम्पती खरीदी मकान और धन जमा किया है और अन्य जगहों पर सम्पती खरीदी है उनकी जाँच होनी चाहिए पुलिस थाना मे ईमानदार अधिकारीयों के हाथो से जाँच होनी चाहिए तब भष्ट्राचारीओ की नींद खुलेंगी व शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र के बड़गांव ग्राम में जो कुछ दिन पहले सुमेरपुर एक सोसायटी बैंक के नाम से एक बड़ा घोटाला सामने आया था इस मालिक की जमीन यहां बडगांव क्षेत्र में पड़ी है उसमें कालोनी काटी गई है उस कॉलोनी में भी बड़ा गपला सामने आया है की एक ही खसरा पर दो-दो कॉलोनी एक खसरा नाम एक ही नंबर एक ही जमीन का नाप और दो दो कॉलोनी होगी पास जो पहली सुंदर नगर बड़गांव खसरा संख्या 304 वह 305 कुल रकबा 5 बीघा तीन विसवा वह एक सिद्धार्थनगर बड़गांव के खसरा नंबर 304 वह305 कुल रकबा 5 बीधा 3 बिस्वा जमीन जो यह दोनों मास्टर प्लान के विपरीत स्वीकृत की गई है मास्टर प्लान में आवासीय क्षेत्र से बहार ग्रीन बेल्ट में यह दोनों कॉलोनी स्वीकृत हुई है जो नियमों के विरुद्ध इसमें बड़े अधिकारी का हाथ शामिल नजर आ रहा है इसमें वरिष्ठ नगर न्यूज जोधपुर अतिरिक्त नगर नियोजक जोधपुर नगर पालिका अधिकारी सब मिले हुए नजर आ रहे हैं एक प्लान पर इन सभी अधिकारियों के हस्ताक्षर है वह पटवारी ने भी मौके पर रिपोर्ट करके और एक ही खसरे पर दो अलग अलग नाम से कॉलोनी काटकर लोगों के साथ धोखाधड़ी नहीं तो क्या इन्होंने बैंक में भी लूटमार के लिए जनता के साथ बड़ा धोखा किया और अब इसमें भी धोखा हो रहा है जहां की जनता के साथ धोखाधड़ी हो रही है इसका मतलब यह नहीं की जनता को लूटने में कोई मौका नहीं छोड़ना चाहते हैं लोग सिद्धार्थ नगर व सुंदर नगर में दोनों प्लान अलग-अलग बनाए गए वह अलग-अलग जमीनों में दो प्लान काटे गए पर उन्होंने पास की बिलानाम भूमि में कॉलोनी काटकर खसरा नंबर एक ही डालकर पालिका को गुमराह कर या पालिका के अधिकारियों को बड़ा धन देकर यह दोनों कॉलोनी स्वीकृति करवा दी पर नगर पालिका तकनीकी अधिकारी ने क्या ध्यान रखा इसमें हो सकता है कि उन्हें भी बड़ी रकम दी गई हो पटवारी महोदय के भी मौके पर हस्ताक्षर नजर आए बिलानाम भूमि पर पटवारी ने हस्ताक्षर कैसे किया यह समझ में नहीं आ रहा है क्योंकि यह लोग धोखेबाजी है जिन्होंने बैंक के नाम पर भी जो जनता से धोखा किया अब यहां पर पट्टो में भी जनता के साथ धोखाधड़ी कर रहे है इन्होंने अपना एक फार्म हाउस वह भी बिलानाम जमीन में बनाकर वहां स्विमिंग पूल बनाकर व सभी सुविधा रखी है उनके व दोस्तो के आनंद करने के लिए वह यह जगह बिलानाम में फार्म हाउस बनाया गया इन्होंने जनता को लूटने के अलावा कोई काम नहीं किया फिर पालिका प्रशासन इन पर इतना मेहरबान क्यों है ईसी के पास जानवी नगर खसरा संख्या 58-139 विलेज केसरपुरा बताया गया पर यह भूमि मास्टर प्लान में ग्रीन बेल्ट में बताई गई है इन्होंने जयपुर में बैठे अधिकारियों को गुमराह कर वह बड़ा धन देकर यह प्लान स्वीकृत करवाया जो 10 बीघा 9 बिस्वा भूमि है इसके बीच में होकर एक रोड निकलता है इन्होंने उस रोड पर भी कब्जा कर एक जगह पर छोटा पार्क रखकर छोटे भाग में इनफॉर्मल छोटा कामर्शियल बता कर जनता के साथ धोखा किया क्यों इनका काम ही जनता के साथ धोखा करना है इसमें ई डब्ल्यू एस एल आई जी के भुखंड की जमीन छोड़ी नहीं गई है क्योंकि व गरीबों के लिए आरक्षित होते हैं इन्होंने गरीबों के भूखंड भी खा लिए और यह प्लान दो-दो टुकड़ों में कर भूमाफियाओ के फायदे के लिए काम कर रहे हैं और जनता के साथ बड़ा धोखाधड़ी कर रहा है इसमें पालिका प्रशासन के अधिकारी भी व तकनीकी अधिकारी भी मिले हुए नजर आ रहे हैं और जो पट्टा जारी करते हैं वह धन के बल पर सब काम करते हैं लाखों रुपया लेकर यह फर्जी काम करते हैं इनको पता नहीं भी चल सके कि यह फर्जी काम कैसे हो रहे हैं इन्होंने ग्रीन बेल्ट में भी कॉलोनी स्वीकृत कर दिए पास में गणेश नगर जो बडगांव क्षेत्र के अंदर है यह भूमि भी बडगॉव क्षेत्र में ही होगी पर इन्होंने केसरपुरा बताकर जनता के साथ धोखा किया है इन्होंने पूर्व में भी बड़ी-बड़ी कॉलोनी काट कर इसमें ई डब्ल्यू एस एल आई जी के भुखंड भी खाकर गरीब जनता के साथ धोखाधड़ी कि है इनके विरुद्ध अब कार्रवाई करनी चाहिए वह प्रशासन को पुरी जमीन जब्त कर बिलानाम घोषित करनी चाहिए बैंक में इन्होंने करोड़ों रुपए का घोटाला किया लोगों से एफडी खाकर व गरीब जनता के पैसे खाकर यह लोग अरबपति बन गए इन्होंने अपने दलालों के नाम पर जमीन खरीद कर जनता के साथ बड़ा धोखा किया उनकी पूरी टीम ही बड़ी धोखेबाज है जो एससी एसटी की जमीन खरीद कर अपने यहां कर्मचारी जो काम करते हैं उनके नाम पर खरीद कर बड़ी-बड़ी कॉलोनी काट देते हैं और सरकार से बड़ा फायदा उठाते हैं फिर उसी एससी एसटी के आदमी से पावर अंटनी लेकर अपने हिसाब से बेचते हैं जो राजस्थान सरकार के नियमों के विरुद्ध है इन सभी की जमीन जब्त कर सरकारी बिलानाम दर्ज होनी चाहिए तब इनको पता चले कि हम जनता के साथ धोखा कर रहे हैं ग्रीन बेल्ट में मास्टर प्लान के विपरीत माननीय उच्च न्यायालय व सरकार गुलाब कोठारी के फैसले के विपरीत गुलाब कोठारी के फैसले की धजिया उड़ाते है यह जोधपुर में बैठे अधिकारी वह शिवगंज नगर पालिका में बैठे बाबू लोग इनको सिर्फ धन चाहिए धन के अलावा इनको कुछ नहीं चाहिए धन देकर कुछ भी करवा सकते हैं यह लोग सरकारी जमीन पर भी कॉलोनी काटकर उस जमीन पर फोकट के करोडों रुपए कमा कर लोगों के साथ धोखाधड़ी कर रहे हैं इन सभी कॉलोनी की जांच कर दोषी अधिकारी वह इन बाबुओं के विरुद्ध कारवाई करवानी चाहिए यहां बैठे पालिका में नेता लोग भी हर पट्टे पर हस्ताक्षर करने के पैसा लेते हैं और गलत काम की ज्यादा पैसे लेते हैं इसलिए इनको भी धन से प्यार है सरकार के कोष का कितना भी नुकसान हो जाए इनको क्या लेना देना इन बैंक घोटाला कर सभी अधिकारी लोगों के विरुद्ध वह इन सभी अधिकारियों के विरुद्ध तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए वह यहां पर सुंदर नगर व सिद्धार्थनगर कॉलोनी की जांच कर यह दोनों प्लान खारिज होने चाहिए वह ग्रीन बेल्ट में काटी कॉलोनी वह ईनके पट्टो की उन्होंने की जांच कर इस भूमि पर इस भूमि को बिलानाम घोषित कर राजस्थान सरकार के नाम पर दर्ज होना चाहिए तब जाकर आम जनता को न्याय मिलेगा यहां गरीब परिवारों के लिए भूखंड आरक्षित कर गरीब लोग इसमें निवास करेंगे तो ऊपर वाले भी आपको आशीर्वाद देंगे जनता की लुटी रकम व ब्याज ईनकी सम्पती बेचकर गरीबों को देनी चाहिए तब न्याय मिलेगा क्यू की ईनके दलाल लोगों से वसुली कर रहे है उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराना चाहिए।

इनका क्या कहना है

शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र के बडगॉव गाँव के राजस्व निरक्षको व पटवारी के बिना जाँच करके फाइल पास करके पालिका मे भेजना व धन के बल पर प्लान स्वीकृत किया गया व एक ही खसरा एक ही नाप दो कोलोनीया काटी गई व जनता के साथ धोखाधड़ी की है उनके विरुद्ध कारवाई होनी चाहिए मास्टर प्लान 2011-31 शिवगंज सुमेरपुर मे ग्रीन बेल्ट व नियमों के विरुद्ध जोधपुर एसटीपी ने फजीर्वाडा किया है अब जाँच कर दोशीओ के विरुद्ध कार्यवाही होनी चाहिए

जैसाराम माली अध्यक्ष जवाई पर्यावरण एव वन विकास समिति शिवगंज

शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र में मास्टर प्लान के विपरीत ग्रीन बेल्ट में काटी गई कोलोनी जो नियम विरूध काटी गई कोलोनी सुन्दर नगर व सिद्धांथ नगर तीनो कोलोनी की जाँच उच्च स्तरीय बडे अधिकारीयों व ईमानदार अधिकारीयों से करवानी चाहिए जिससे जनता के साथ धोखाधड़ी नही कर सके

सीमा देवी माली पार्षद नगर पालिका शिवगंज

सुमेरपुर शिवगंज निजी बैंक संचालकों ने मिलकर अवैध वसुली कर जनता की गाढी कमाई लुटकर अपने परिवारों के नाम की सम्पती खरीदी मकान और धन जमा किया उन सभी के नाम की सम्पती जब्त करनी चाहिए व इन्होंने व ईनके परिवार सदस्य व दलालों के नाम की सम्पती की जाँच होनी चाहिए सभी सम्पती को जब्त कर गरीबों के लूटे पैसे वापस देना चाहिए ईनका मुख्य दलाल शिवगंज गोकुलवाडी से ही है ईनकी सम्पती व दुकाने जब्त करनी चाहिए ईनकी राजस्थान व गुजरात महाराष्ट्र कर्नाटक सहित अन्य राज्यो मे खरीदी सम्पती को भी जब्त करनी चाहिए और गरीबों को वापस देनी चाहिए ।

कमलसिह चौहान समाजसेवी गौरक्षक शिवगंज

जिम्मेदारों ने ओढ़ ली चुप्पी

आम जन बेबस, सड़कों के गड्ढे भरकर सरकार और सिस्टम को आईना दिखा रहें कुछ युवा

बीकानेर। दो दिन से शहर में एक सकारात्मक विरोध प्रदर्शन चल रहा है। यह अनूठा विरोध प्रदर्शन कांग्रेस कार्यकर्ता कर रहे हैं। शहर की सड़कें हर दस कदम पर टूटी हैं। लोग मांग करके थक गए। अखबारों में खूब खबरें छपीं। प्रशासनिक अधिकारियों के निर्देश भी हवा में रह गए। जो जिम्मेदार हैं वे भी बेबस हैं। यही वजह है कि जब शहर की दशा सबसे खराब थी तब नगर निगम के आला अधिकारी को लंबी छुट्टी लेकर जाना पड़ा। जन प्रतिनिधि हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं।

हालात का अनुमान इस बात से लगा सकते हैं कि सीएम का दौरा प्रशासन के इनपुट पर टाला गया। कोई भी समाधान दे पाने में फिलहाल असमर्थ है। ऐसे में कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ता ट्रैक्टर ट्राली पर कंकड़ मिट्टी लेकर चल रहे हैं। जहां सड़क पर गड्?ढा दिख रहा। उसे कंकड़ मिट्टी डालकर भर दे रहे हैं। यह विरोध भी है और सिस्टम के चेहरे पर करारा तमाचा भी। यह प्रदर्शन अनूठा इस नाते हैं क्योंकि गड्ढे भी इसके साथ भर रहे हैं।

इस वक्त टूटी सड़कों और उफान मारते सीवरेज की खूब चर्चा है। प्रशासन कुछ करना भी चाहे तो मानसून सीजन है। हालांकि पूरे शहर की सड़कें ठीक करने के लिए बजट भी नहीं है। सीएम ने जो पांच-पांच करोड़ रुपए दिए वो ही बजट है। इसके अलावा 8 करोड़ जो बाद में मंजूर किए अगर वो आ गए तो वो खर्च होंगे। हालात ऐसे हैं कि शहर की सड़कों को ठीक करने के लिए करीब 70 करोड़ का बजट चाहिए। पीडब्ल्यूडी और यूआईटी के पास नई सड़कों का अलग से कोई बजट नहीं है। ये विभाग तो सिर्फ पैचवर्क करा दें तो वही बहुत है। यही वजह है कि हर जगह गड्ढे, खुले मेनहोल, सीवरेज से टूटती सड़कें ही दिखती हैं।

कांग्रेस के मनोज चौधरी ने विरोध शुरू किया। विरोध ऐसा जिसमें ना तो कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन ना कोई पुतला और ना ही कोई जाम लगाया। कार्यकर्ताओं के साथ ट्राली में मिट्टी कंकड़ भरे और रानीबाजार एरिया में पहले दिन जहां गड्ढे थे उनको भरा। अंबेडकर सर्किल पर करीब 3 ट्राली मुड़ मिट्टी गड्ढों में समा गई। उनका कहना है कि अब ना तो सरकार से उम्मीद है और ना जिला प्रशासन से। गड्?ढों से लोगों के बीमारियां बढ़ रही हैं। प्रशासन आंख बंद किए बैठा है। भाजपा वाले अपनी सरकार के विरोध में बोलने की हिम्मत नहीं रखते। कम से कम गड्ढों में मिट्टी भरकर जनता को राहत तो दें।

जिनको विरोध करना है वो सड़कों का गड्ढा भरने में जुटें मनोज चौधरी ने कहा कि जूनागढ़, पब्लिक पार्क, म्यूजियक सर्किल, श्रीगंगानगर चौराह से उरमूल डेयरी तक की सड़कों का हाल बेहद खराब है। लोगों को मोटर साइकिल से उछलते हुए चलना पड़ रहा है। अस्पतालों में कमर दर्द के मरीज बढ़ रहे। विधायक, मंत्री और अधिकारी तो अच्छी गाड़ियों से जाते हैं तो उनको झटके नहीं लगते। आम आदमी क्या करे। गलियों का हाल यह है कि बाइक सम्हालना कठिन है। इसलिए जिसे भी सरकार या प्रशासन का विरोध करना वे मिट्टी लाएं और गडढे भरें। ये सिस्टम पर तमाचा और आइना होगा। इस सरकार को इस आइने में शायद अपने विकास की सूरत दिख जाय। चौधरी ने कहा कि जनता निकाय चुनाव में ये गडढे, सीवरेज, नालियां और सफाई को देखकर ही वोट करे। वरना भाजपा वाले कोई ऐसा मुद्दे ले आएंगे जिससे आपकी मूल परेशानी के मुद्दे गौड़ हो जाएंगे। पार्षद का चुनाव नाली, कूड़ा, सड़क और सफाई के लिए ही होता है। टीम में मनोज चौधरी, गजेन्द्र सिंह सांखला, सुमित कोचर, नारायण जैन, विकास रावत, बलराज नायक, जितेन्द्र नायक, चंद्रकांत सियाग समेत तमाम जन शामिल थे।

कांग्रेस के युवा कार्यकर्ता रविवार को जूनागढ़ और आसपास की सड़कों के भरेंगे गड्ढे : कांग्रेस कार्यकर्ताओं की टीम जूनागढ़ इलाके में गड्ढे भरेगी। उनका कहना है कि ये वो एरिया है जहां पूर्व क्षेत्र की विधायक का आना जाना है। मेयर इसी रास्ते निकलती हैं। निगम आयुक्त, कलेक्टर समेत तमाम जन गुजरते हैं। पर यहां के गड्ढों से किसी को वास्ता नहीं। इसलिए रविवार को यहां गड्ढे भरे जाएंगे।

युवक की मौत पर हंगामा, परिजन थानेलाए शव, फिर बिना शिकायत ले गए

कोटा। झालावाड़ रोड स्थित एकनिजी अस्पताल में गुरुवार रात एकयुवक की मौत के बाद हंगामा होगया। सूचना पर जवाहर नगर पुलिसमौके पर पहुंची।

परिजन युवक केशव को लेकर थाने पहुंचे। बाद मेंसमझाइश के बाद परिजन शव लेकरबारां चले गए। परिजनों ने पुलिस कोशिकायत नहीं दी। ऐसे में पुलिस नेभी कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की।थानाधिकारी हरिनारायण शर्मा नेबताया कि बारां जिले का निवासीवीरेंद्र शर्मा भामाशाहमंडी में दलालीकरता था। वीरेंद्र की तबीयत बिगड़नेपर परिजन उसे पहले मेडिकलकॉलेज और ?फिर निजी अस्पताललेकर गए,जहां मौत हो गई। इस केबाद निजी अस्पताल के बाहर दोपक्षों में झगड़ा हो गया। परिजनों काआरोप है कि रुपए मांगने वाले कुछलोग वीरेंद्र को काफी समय सेपरेशान कर रहे थे और धमका रहेथे। हालांकि, परिजनों ने पुलिस मेंइस सम्बंध में कोई शिकायत नहीं दी। वे शव लेकर बारां चले गए।अनंतपुरा सीआई भूपेन्द्र कुमार काकहना है कि परिजनों ने उन्हें कोईशिकायत नहीं दी।

खेतों में भरे पानी की निकासी की मांग

किसानों ने एसडीएम के नाम ज्ञापन सौंपा

भुसावर। खेत में भरे बरसात के पानी की निकासी कर बुआई की गई फसल की सुरक्षा की मांग को लेकर किसानों ने उपखंड अधिकारी के नाम एसडीएम कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। दिए गए ज्ञापन में किसानों ने बताया है कि कस्बा वैर की आराजी मुहारी बांध के पीछे गांव मुहारी व जटबलाई में भी स्थित है।

जहां किसानों की खातेदारी भूमि है। किसानों ने खेतों में फसल बो रखी है। किसानों की बागबानी है। बारिश के मौसम के चलते रहने से करीब एक माह से खेतों में पानी भरा हुआ है। जिससे खेतों में खड़ी फसल को अब नुकसान पहुंच रहा है। पहले इस बांध का पानी लालपुर बांध में जाता था। लेकिन अब दोनों ओर सड़क बन जाने से उस सड़क में कुलावा नही होने से पानी की निकासी नहीं हो पा रही है। जिसकी वजह से खेतों में पानी भरा रहने से फसल में काफी नुकसान हो रहा है।

ज्ञापन के जरिए मांग की गई है की सड़क पर दो तीन जगह कुलावा देकर पानी निकासी की सुविधा प्रदान की जाए ताकि किसानों को राहत मिल सके। ज्ञापन पर मेघाराम मोहनसिंह, लालचंद,यादराम,विष्णु, भूदेव, गोरधन, निहाल, सुनील, मुकेश, भूरी सहित दो दर्जन से अधिक किसानों के हस्ताक्षर मौजूद है।

ऑपरेशन ब्लैक थंडर में कार्रवाई

श्रीडूंगरगढ़ में चल रहा अवैध क्लीनिक और दो लैब किए सीज, दो प्राइवेट अस्पतालों को चेतावनी

बीकानेर। बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ में अवैध रूप से चल रहे एक प्राइवेट क्लिनिक को सीज कर दिया गया है। इसके साथ ही दो लैब भी बंद करवाए गए हैं। दो बड़े निजी अस्पतालों को व्यवस्थाओं में सुधार के आदेश दिए गए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश कुमार गुप्ता के नेतृत्व में एक टीम श्रीडूंगरगढ़ पहुंची और ताबड़तोड़ कार्रवाई की। इस दौरान अवैध रूप से संचालित एक क्लिनिक तथा दो डायग्नोस्टिक लैब को सीज किया गया है। वहीं दो बड़े निजी अस्पतालों को सुधार की चेतावनी दी गई है। डॉ गुप्ता ने बताया कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के निर्देशानुसार संचालित ऑपरेशन ब्लैक थंडर के अंतर्गत उपजिला अस्पताल श्रीडूंगरगढ़ के नजदीक ही राजश्री हेल्थ केयर नाम से अवैध डॉक्टर चैंबर को सीज करवाया गया है। जैसे ही टीम क्लिनिक पहुंची यहां मरीज तो मिले पर चिकित्सक नदारद थे। मौके पर एक महिला को ड्रिप भी लगी हुई थी। काफी बुलाने के बाद भी तथाकथित चिकित्सक डॉ अरविंद चौधरी मौके पर नहीं आए। सभी मरीजों को राजकीय अस्पताल में शिफ्ट कर फर्जी क्लिनिक को सीज कर दिया गया। यहां किसी प्रकार का कोई पंजीकरण, बायो मेडिकल वेस्ट निस्तारण, चिकित्सक की डिग्री आदि कुछ भी उपलब्ध नहीं पाया गया।

प्रैक्टिशनर को सीएमएचओ कार्यालय तलब किया गया है।

आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध न होने पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। टीम में पीसीपीएनडीटी समन्वयक महेंद्र सिंह चारण तथा ब्लॉक सीएमओ डॉ राजीव सोनी शामिल रहे। अस्पताल के नजदीक ही संचालित कृष्णा लैब में एक भी टेक्नीशियन डिग्री धारी व लाइसेंस धारी नहीं था। ना ही लैब का बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन सर्टिफिकेट मिला। यहां तक की क्लीनिकल इस्टैब्लिशमेंट में पंजीकरण भी नहीं था। लैब को तत्काल सीज कर दिया गया। इसी क्रम में लगभग 20 वर्ष से संचालित वर्धमान लैब को भी सीज किया गया। जिसका ना तो क्लीनिकल इस्टैब्लिशमेंट था ना ही बायो मेडिकल वेस्ट प्रबंधन था।

लैब टेक्नीशियन प्रशिक्षित व लाइसेंस धारी थे। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कस्बे की धनवंतरी अस्पताल का भी औचक निरीक्षण किया। यहां नर्सिंग कर्मचारी तथा पैरामेडिकल स्टाफ अप्रशिक्षित मिले और बच्चों की नर्सरी भी एक आयुर्वेद चिकित्सक द्वारा चलाई जा रही थी। अस्पताल संचालक को सुधार की चेतावनी देकर केवल प्रशिक्षित व पंजीकृत स्टाफ द्वारा ही स्वास्थ्य सेवाएं संचालित करने के निर्देश दिए गए।

बयाना में कलश यात्रा के साथ भागवत कथा का आगाज

सिर पर मंगल कलश लेकर निकलीं महिला श्रद्धालु, कथाव्यास बोले-भागवत में छिपा है जीवन

बयाना। बयाना कस्बे के भीतरबाड़ी इलाके में स्थित बिलोची मंदिर पर भक्त मण्डल की ओर से संगीतमय भागवत कथा की शुरुआत हुई। कथा के शुभारंभ पर बैंडबाजों के साथ कथा व्यास योगेन्द्र कृष्ण शास्त्री के सानिध्य में कलश यात्रा शुरू हुई। मंदिर परिसर से शुरू हुई कथा परिक्रमा करते हुए वापस कथा स्थल पर पहुंचकर संपन्न हुई। शोभायात्रा में महिलाएं सिर पर कलश धारण किए मंगल गीत गाते हुए चल रहीं थीं। वहीं पुरूष श्रद्धालु भागवत भगवान को सिर पर लिए बैंड पर बजते भजनों पर नाचते गाते जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। कथा के पहले दिन प्रवचनों में कथा व्यास योगेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि भागवत कथा में जीवन जीने का सार छुपा हुआ है।

भागवत में बताए गए सूत्रों से जीवन यापन करने से व्यक्ति को जीवन में सफलता मिलती है। कथा का समय प्रतिदिन दोपहर 1 से शाम 5 बजे तक का रहेगा। कथा के बीच-बीच में विभिन्न देवी देवताओं की आकर्षक झांकियां भी सजाई जाएंगी।

ये रहे मौजूद : इस अवसर पर रामलाल कुकरेजा, नेमीचन्द्र नारंग, सुभाष चन्द्र नारंग, पंडित भारत भूषण, सतीश नारंग, संजीव, नारंग, राजीव नारंग, हुकम खत्री, ओमप्रकाश खत्री, शुभम खत्री, मनोहर नारंग, महेश रखेजा, विजय नारंग, किशोर नारंग, कृपाल तनेजा, तिलकराज खत्री, मनोहर लाल नारंग, वीरेंद्र नारंग, हिमांशु नारंग आदि कई श्रद्धालु मौजूद रहे।

पालिका ने शुरू किया आवारा सांडों को पकड़ने का अभियान

10 से ज्यादा लोगों हमले में हो चुके घायल, एक युवक की गई थी जान

नदबई। नदबई शहर में आवारा सांडों के आंतक से शहरवासियों को निजात मिलेगी। नगर पालिका प्रशासन अब हरकत में आया है। पालिका प्रशासन ने शहर में आवारा सांडों को पकड़ना शुरू कर दिया है। शहर में हर रोज बढ़ रहे आवारा सांडों के आतंक से लोग परेशान हैं। आवारा सांडों ने सड़कों पर साम्राज्य कायम किया हुआ था। अब तक 10 से 12 लोगों को आवारा सांड चोटिल करके अस्पताल पहुंचा चुके हैं। इतना ही नहीं आवारा सांड के हमले से 1 युवक की मौत भी हो चुकी है। वहीं शहर में इनके बेखौफ घूमने से गंदगी का भी वातावरण रहता है। पालिका अध्यक्ष हरवती सिनसिनवार ने बताया कि पिछले 2 दिनों से आवारा सांडों को पकड़कर गौशाला भेजा गया है। हर रोज शहर से आवारा सांडों को पकड़वाकर गौशाला भेजा जाएगा।

पीबीएम अस्पताल में खरीद घोटालों की होगी जांच

जयपुर से हेल्थ डिपार्टमेंट की टीम पहुंची, दवा और उपकरण खरीद पर सवाल

बीकानेर। बीकानेर के सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज और इसी से जुड़े पीबीएम अस्पताल में पिछले पांच साल में दवा और उपकरणों की खरीद पर सवाल खड़े हो गए हैं। राज्य सरकार से की गई एक शिकायत के बाद हेल्थ डिपार्टमेंट की टीम बीकानेर पहुंची और रिकार्ड खंगालना शुरू कर दिया। जांच के दायरे में आने वाले डॉक्टर्स से भी पूछताछ की जा सकती है। कांग्रेस राज के दौरान सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज और पीबीएम अस्पताल में करोड़ों रुपए के उपकरणों और दवाओं की खरीद हुई है। इसी दौरान कोरोना काल भी आया था। जिसमें इंजेक्शन खरीद पर एसीबी में पहले से जांच चल रही है। अब हेल्थ डिपार्टमेंट ने कोरोना सहित अन्य सभी तरह की जांचों पर छानबीन शुरू कर दी है। एक टीम ने यहां पहुंचने के बाद एकाउंट डिपार्टमेंट से सभी तरह के कागजात कब्जे में लिए हैं। साथ ही अधीक्षक डॉ. पी.के. सैनी से भी इन खरीदों के बारे में रिपोर्ट मांगी गई है।

निशुल्क दवाओं की हुई थी खरीद

बीकानेर में मुख्यमंत्री निशुल्क दवाओं की खरीद के मामले में अनियमितता की शिकायत की गई थी। बताया जा रहा है कि कैंसर सहित अन्य बीमारियों की दवाओं की खरीद हुई थी। करीब दो सौ करोड़ रुपए की दवाएं और उपकरणों की खरीद अब जांच के दायरे में है। मुख्यमंत्री और चिकित्सा मंत्री को शिकायत मिलने के बाद इसकी जांच की जा रही है।

अस्पताल स्तर पर हुए थे टेंडर

पीबीएम अस्पताल प्रशासन को बड़े स्तर पर दवाओं के खरीद और कामकाज करवाने के अधिकार हैं। ऐसे में पिछले सालों में जो भी टैंडर हुए और दवाएं खरीदी गई, उन सभी की अब जांच की जा रही है।

उमस से लोगों को मिली राहत : कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश, शहर में 0.6 बीकानेर तहसील में 7 एमएम बारिश

बीकानेर। मौसम का मिलाजुला असर रहा। सुबह 10 बजे अचानक छाए बादल शहर में कहीं तेज तो कहीं हलके बरसे। दोपहर बाद आसमान साफ हो गया और धूप निकली। बज्जू में 2 एमएम, लूणकरणसर में 5 और डूंगरगढ़ में 8 एमएम बारिश हुई। बीकानेर शहर क्षेत्र में तो मात्र 0.6 एमएम पानी गिरा मगर तहसील क्षेत्र की बात करें तो 7 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई।

मौसम विभाग ने भी बारिश की संभावना जताई थी। सुबह 11 बजे सबसे पहले बीछवाल और पवनपुरी साइड में बारिश शुरू हो गई। इन इलाकों में शहर के अन्य हिस्सों की तुलना में ज्यादा बारिश हुई। बीकानेर में देर से बारिश आई। 15 मिनट तक हल्की बारिश के बाद आसमान साफ हो गया। दोपहर बाद आसमान देखने से लगा भी नहीं कि सुबह बारिश हुई थी। नगर निगम रोड पर भरा पानी बता रहा था कि 10 मिनट की बूंदाबांदी भी शहर को कितनी परेशानी देता है। राहत सिर्फ इतनी मिली तो बीते एक सप्ताह से हल्की गर्मी बढ़ी उस पर जरूर लगाम लगी। इस बीच दिन का पारा 34.3 डिग्री और रात का पारा 28 डिग्री दर्ज किया गया।

सीवरेज से लोग बेहाल : वार्ड 24 व 45 दशनाम गोस्वामी मोहल्ला श्रीरामसर रोड के लोग सीवरेज के उफान से परेशान हैं। मजबूरी में कुछ देर के लिए उन्होंने रास्ता बंद कर प्रदर्शन किया। आक्रोशित लोगों का कहना है कि यहां सीवरेज नाला जाम रहने से लोग परेशान हैं।

सर्वाधिक परेशानी स्कूली बच्चों को है। गोस्वामी मोहल्ले से जनता प्याऊ रोड पर सीवरेज ओवरफ्लो रहता है। बारिश में हालात और खराब है। जिस कारण आमजन को परेशानियों का सामान करना पड़ रहा है। यहां प्राचीन मन्दिर धरणीधर महादेवजी, जोगमाया माता जी, रामदेव जी, महानन्दजी भोमिया जी, हरिराम जी, हनुमान जी समेत अनेक मन्दिर हैं। 3 स्कूल 5 कोचिंग संस्थान हैं।

नापासर में झमाझम बारिश, डूबा स्कूल, टली परीक्षा

सुबह आई तेज बारिश से नापासर एवं रामसर में बरसाती पानी नहीं गांव को जलमग्न कर दिया। नापासर में करीब एक घंटे बरसी तेज बारिश ने सड़कों-गलियों और मोहल्ले में पानी-पानी कर दिया। नापासर के निकटवर्ती गांव रामसर में सुबह 5 से शुरू हुई बारिश ने 8 बजे तक झमाझम बारिश हुई। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रामसर में इस कदर पानी भर गया कि पहले छोटे बच्चों की छुट्टी की गई बाद में पानी बंद न होते देख बड़े बच्चों की परीक्षा रद्द कर उन्हें भी वापस घर भेज दिया गया। सुबह 7 बजे से लेकर 11 बजे तक बारिश होती रही।

10 मिनट की मामूली बारिश से कई मोहल्लों में सीवर ओवरफ्लो, उमस से लोगों को मिली राहत : दोपहर के समय नगरासर में हुई भारी बारिश के चलते ओवर फ्लो होने से कोलायत लिफ्ट से निकलने वाली नगरासर वितरिका नहर साढ़े आठ किमी पर करीब 15 फीट टूट गई जिससे आसपास के कई खेत जलमग्न हो गए। लूणकरणसर उपखंड क्षेत्र के गांवों में हुई झमाझम बारिश से कस्बे सहित गांवों की निचली बस्तियों व खेतों में पानी भर गया। वहीं शेरपुरा में एक कच्चा मकान ही गिर गया।

डीएलसी दर बढ़ाकर जेब पर डाका डालने की तैयारी : शांति धारीवाल

कोटा। पूर्व मंत्री और कोटा उत्तर से विधायक शांति धारीवाल ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार डीएलसी दर बढ़ाकर प्रदेशवासियों की जेब पर डाका डालने का प्रयास कर रही है। सरकार का जनता के प्रति यह रवैया बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जब से यह सरकार बनी है, विकास कार्यों की कोई योजना नहीं है। अब कलेक्टर्स के माध्यम से डीएलसी दर बढ़ाने का प्रयास कर रही है, जिसका सीधा-सीधा नुकसान प्रदेश की जनता को होगा। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने रियायती दरों पर कई योजनाओं को लॉन्च किया था और हजारों लोगों को आशियाना उपलब्ध करवाए थे।

नेपाल में सड़क दुर्घटना में मारे गए 25 भारतीयों के शव विमान से भारत लाए गए

मुंबई। नेपाल के भरतपुर से 25 भारतीय तीर्थयात्रियों के शव लेकर भारतीय वायुसेना का एक सैन्य परिवहन विमान महाराष्ट्र के जलगांव पहुंचा। काठमांडू से करीब 115 किलोमीटर दूर नेपाल के तनहुन जिले में शुक्रवार को एक बस दुर्घटना में भारतीयों की मौत हो गई थी। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना में 27 भारतीयों की मौत हो गई और दो लोगों के शव यूपी के महाराजगंज लाए जाएंगे। भारतीय वायुसेना ने 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा-नेपाल में सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले 25 भारतीय नागरिकों के शव हवाई मार्ग से लाने के लिए सी-130जे विमान तैनात किया। इसमें कहा गया है कि शवों को नेपाल के भतरपुर से जलगांव (महाराष्ट्र) लाया गया। भारतीय वायुसेना शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती है और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती है। भारतीय तीर्थयात्री दस दिवसीय दौरे पर नेपाल आए थे। इस दुर्घटना में 16 अन्य घायल भी हुए हैं। मध्य नेपाल में एक भारतीय पर्यटक बस शुक्रवार को राजमार्ग से पलटकर 150 मीटर नीचे नदी में गिर गई थी।

इस्कॉन मंदिर में लाखों रुपए की पोशाक पहनेंगे कान्हा, विदेशी फूलों से होगा श्रृंगार

कानपुर। जन्माष्टमी को लेकर कृष्ण मंदिरों में तैयारी जोरों पर है। जन्माष्टमी को खास बनाने खास कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कानपुर के इस्कॉन मंदिर में इस बार जन्माष्टमी को खास मनाने के लिए भगवान श्री कृष्ण के लिए 4.5 लाख रुपए की पोशाक वृंदावन से तैयार होकर आई है, जो श्री कृष्ण अपने जन्म उत्सव पर पहनेंगे। इतना ही नहीं विदेशी फूलों से भगवान का श्रृंगार किया जाएगा साथ ही 1008 व्यंजनों का भोग लगाया जाएगा। इस्कॉन मंदिर में भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव रविवार शाम को शुरू होगा और यह एक सितंबर तक चलेगा। 26 तारीख को लोग भगवान के सुबह 4-30 बजे से रात तक दर्शन कर सकेंगे। एक सितंबर को भगवान श्री कृष्ण की छठी का आयोजन होगा। इस बार भगवान श्री कृष्णा वृंदावन से बनकर आई 4.5 लाख रुपए की खास पोशाक पहने हुए नजर आएंगे। इसके साथ ही उनके लिए थाइलैंड से ऑर्चिड, बेंगलुरु, पुणे और कई प्रदेशों से तरह-तरह के फूल साज सज्जा के लिए मंगाए गए हैं। इस्कॉन मंदिर के कोऑर्डिनेटर ने बताया कि जन्मोत्सव के दिन सुबह से ही विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 25 हजार चांदी के कलशों से भगवान का अभिषेक किया जाएगा फिर आरती की जाएगी। वहीं भगवान के लिए 1008 भोग तैयार किए जाएंगे। इतना ही नहीं लोग अपने घरों से भी विशेष साफ-सफाई के साथ भोग बनाकर लाएंगे। उनका भोग भी भगवान के सामने रखा जाएगा, तो करीब 11 हजार तक भोग भगवान को लगाए जाने की तैयारी की गई है।

बारामूला में हुई मुठभेड़ में आतंकवादी ढेर, सर्च अभियान जारी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में सेना ने सर्च अभियान जारी रखा है, इसी बीच बारामूला जिले में सुरक्षा बलों के साथ एक मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया है। शनिवार को हुई इस मुठभेड़ से पहले वाटरगाम इलाके में भी सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच गोलीबारी हुई थी। मुठभेड़ के संबंध में अधिकारी ने बताया, कि सर्च के दौरान हुई गोलीबारी में जवाबी कार्रवाई की गई, जिसमें एक आतंकवादी को मार गिराया गया है। आतंकी के हथियार को मुठभेड़ स्थल से बरामद कर लिया गया है। फिलहाल मारे गए आतंकवादी की पहचान का पता लगाया जा रहा है। उक्त अधिकारी ने बताया कि सर्च अभियान इलाके में लगातार जारी है, जो आगे भी जारी रहेगा। यहां बतलाते चलें कि सेना, अर्धसैनिक बल और स्थानीय पुलिस सहित सुरक्षा बल मिलकर पिछले करीब 03 माह से जम्मू-कश्मीर में सर्च के साथ आतंकवाद विरोधी अभियान चला रखे हैं। आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए भी पूरे जम्मू-कश्मीर में कड़ी सुरक्षा सतर्कता बरती जा रही है। गौरतलब है कि पिछले 02 माह के दौरान आतंकवादियों ने डोडा समेत कठुआ, पुंछ, राजौरी, रियासी और उधमपुर जिलों में सेना, सुरक्षा बलों और नागरिकों के खिलाफ घात लगाकर हमले करने की रणनीति बना रखी है। आतंकवादियों के हमलों को देखते हुए सर्च अभियान चलाया गया है। आतंकवादियों की तय कार्यप्रणाली, अचानक हमला कर जंगलों में गायब हो जाने के खिलाफ भी सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की है। सुरक्षा बलों के अधिकारियों का कहना ??है कि आतंकवाद विरोधी रणनीति कारगर साबित हो रही है।

पटियाला में विदेशी लड़की गिरफ्तार, कर रही थी ड्रग्स की तस्करी

पटियाला। यहां एक नाइजीरियाई लड़की ड्रग्स के साथ पकड़ी गई है। जालंधर लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाली इस लड़की को राजपुरा से गिरफ्तार किया है। नाकाबंदी के दौरान एक संदिग्ध नाइजीरियाई लड़की बस या किसी अन्य वाहन के जरिए पंजाब में दाखिल होने की फिराक में खड़ी थी, तभी वह नाकाबंदी पर खड़ी पुलिस पार्टी को देखकर घबरा गई और एक वाहन से उतरकर वापस भागने लगी। पुलिस पार्टी ने उसे बहुत मुस्तैदी से काबू कर लिया। पुलिस पार्टी ने नाइजीरियन लड़की का नाम पूछा तो उसने घबराते हुए बताया कि वह जालंधर यूनिवर्सिटी में पढ़ती है और उसका नाम बर्निस चालेमा है। वह फिलहाल लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी जालंधर, पटियाला में रहती है और नशीला पदार्थ बेचती है। डीएसपी हरमनप्रीत सिंह चीमा ने बताया कि डीआईजी पटियाला रेंज हरचरण सिंह भुल्लर के दिशा निर्देश पर इंस्पेक्टर किरपाल सिंह एसएचओ के नेतृत्व में थाना सदर राजपुरा की पुलिस ने बदमाशों और गुंडों को पकड़ने के लिए मुख्य जीटी रोड (राजपुरा से सरहिंद रोड) के सामने एजीएम रिसोर्ट बसंतपुरा में नाकाबंदी की हुई थी। कांस्टेबल परमजीत कौर ने जब गिरफ्तार छात्रा की जांच की तो उसके बैग में कोड्रिल-टी नशीली दवाओं की 45 शीशियां बरामद हुईं। पूछताछ में छात्रा ने यह भी बताया कि उसका भाई यूनिवर्सिटी में पढ़ता था और वहीं नशा बेचता था, जो अब कपूरथला जेल में बंद है। पुलिस अब इस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

ये कौन सी बीमारी? बच्चे के शरीर पर फफोले बने और हो गई मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के दयालपुर में एक मदरसे में पढ़ रहे पांच वर्षीय लड़के की रहस्यमयी परिस्थितियों में मौत हो गई। बच्चे के शरीर में फाफोले थे जिसका इलाज कराने मां अस्पताल ले गई जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार रात करीब नौ बजकर 52 मिनट पर ब्रजपुरी मदरसे में लड़के की मौत के संबंध में सूचना मिली। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, लड़के की मां को बताया गया कि उसका बेटा बीमार है। वह उसे ब्रजपुरी में एक निजी अस्पताल लेकर गई जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि महिला अपने बेटे के शव के साथ मदरसा लौटी और वहां काफी भीड़ जमा हो गई। उन्होंने सड़क पर शव रख दिया और मदरसा प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। बाद में पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को जीटीबी अस्पताल के मुर्दाघर ले जाया गया। उसने मामले की उचित जांच का आश्वासन दिया जिसके बाद लोग वहां से हटे। पश्चिमी दिल्ली के पंजाबी बाग इलाके में घरेलू सहायिका के तौर पर काम करने वाली लड़के की मां ने पुलिस को बताया कि उसका बेटा पिछले पांच महीने से मदरसे में पढ़ रहा था। बच्चे का पिता उत्तर प्रदेश में रहता है और महीने में एक बार दिल्ली आता है। दंपति के दो और बच्चे- 10 साल का लड़का और आठ साल की लड़की है जो अपनी मां के साथ रहते हैं। पुलिस ने एक बयान में बताया कि शव की प्रारंभिक जांच में गर्दन, पेट और कमर पर बड़ी संख्या में छाले दिखाई दिए हैं।

गुस्से में बोले अजित पवार- काट देना चाहिए ऐसे दरिंदों के प्राइवेट पार्ट

मुंबई। बदलापुर यौन उत्पीड़न मामले पर आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इससे आम जनता तो भड़की ही है नेताओं में भी गुस्सा चरम पर है। राज्य के डिप्टी सीएम अजीत पवार ने तो गुस्से में यहां तक कह दिया कि ऐसे दरिंदों के प्राइवेट पार्ट काट देना चाहिए। यवतमाल में महिलाओं के लिए महायुति सरकार की प्रमुख लड़की बहिन योजना के बारे में एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। डिप्टी सीएम अजित पवार ने कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा-शिवसेना-एनसीपी सरकार महिलाओं के खिलाफ अपराध के आरोपी किसी को भी नहीं बख्शेगी। उन्होंने कहा, जो लोग हमारी लड़कियों पर हाथ डालते हैं, उन्हें कानून का ऐसा खौफ दिखाना चाहिए कि वे दूसरी बार इसके बारे में सोचें भी नहीं। मेरी भाषा में, मैं कहूंगा कि उन्हें नपुंसक बना दिया जाना चाहिए, ताकि अपराध की पुनरावृत्ति न हो। इन लोगों के साथ ऐसा ही किया जाना चाहिए, जो इतने बेकार हैं।

धीमी वेतन वृद्धि और कमरतोड़ महंगाई के कारण घरेलू आय में आई गिरावट

-कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम ने केंद्र सरकार की तुलना शुतुरमुर्ग से की

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर फिर हमला बोला है। कांग्रेस ने रविवार को दावा किया कि वेतन वृद्धि की धीमी गति और बेतहाशा महंगाई के चलते मजदूरी में अभूतपूर्व गिरावट आई है। कांग्रेस ने कहा कि शुतुरमुर्ग की तरह सरकार भी भारतीय अर्थव्यवस्था के समक्ष खड़ी सबसे बुनियादी चुनौती के प्रति आंखें मूंद कर बैठी है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा कि एक ब्रोकरेज फर्म की नई रिपोर्ट ने उस सच्चाई पर प्रकाश डाला है, जिसे मोदी सरकार नकारती रही है कि भारत में वास्तविक घरेलू आय में लगातार गिरावट आ रही है। धीमी वेतन वृद्धि और कमरतोड़ महंगाई के कारण वास्तविक मजदूरी या कहें कि आय में अभूतपूर्व गिरावट आई है।

उन्होंने आगे कहा कि कई सर्वेक्षण और डेटा, जिनमें अपंजीकृत उद्योगों का वार्षिक सर्वेक्षण, आरबीआई के केएलईएमएस डेटा और घरेलू उपभोक्ता व्यय सर्वेक्षण शामिल हैं, ने कामकाजी वर्ग के भारतीयों के बीच वित्तीय संकट को दर्शाया गया है। सरकार के अपने आधिकारिक आंकड़ों समेट डेटा के कई स्रोतों ने इस बात के स्पष्ट प्रमाण भी दिखाए हैं कि श्रमिकों की खरीदारी करने की क्षमता आज दस साल पहले की तुलना में कम हो गई है।

रमेश ने कहा कि श्रमिकों की वास्तविक मजदूरी 2014-2023 के बीच स्थिर रही। वहीं, साल 2019-2024 के बीच इसमें गिरावट आई है। उसके बाद कृषि मंत्रालय की कृषि सांख्यिकी पर नजर डालें तो डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में, खेतिहर मजदूरों की वास्तविक मजदूरी हर साल 6.8 फीसदी की दर से बढ़ी थी जबकि नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में, खेतिहर मजदूरों की वास्तविक मजदूरी में हर साल माइनस 1.3 फीसदी की गिरावट आई। उन्होंने कहा कि आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण सीरीज में तो समय के साथ औसत वास्तविक कमाई 2017 और 2022 के बीच सभी प्रकार के रोजगारों, वेतनभोगी श्रमिकों, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों और स्व-रोजगार श्रमिकों में स्थिर हो गई है। वहीं, श्रम अनुसंधान एवं कार्रवाई केंद्र के मामले में साल 2014 और 2022 के बीच ईंट भट्ठा श्रमिकों की वास्तविक मजदूरी या तो स्थिर हो गई है या घट गई। ईंट भट्ठों में काफी मेहनत लगती है और यह भारत के सबसे गरीब लोगों के लिए कम वेतन वाला आखिरी विकल्प होता है।

जेल में मासूम बन रहा संजय रॉय, खुद को बता रहा बेगुनाह

कोलकाता। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में लेडी ट्रेनी डॉक्टर के रेप और मर्डर का आरोपी संजय रॉय बहुत शातिर है। जेल में बंद संजय रॉय ने वहां के गार्डों से कहा कि वह पूरी तरह बेकसूर है। इस मामले से परिचित जेल अधिकारियों के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा गया है कि संजय रॉय ने जेल के कुछ गार्ड्स से कहा कि उसे रेप और हत्या के बारे में कुछ भी नहीं पता है। कोलकाता पुलिस के मुताबिक संजय रॉय ने सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के सेमिनार हॉल के अंदर 31 साल की ट्रेनी डॉक्टर के साथ रेप और हत्या करने की बात कबूल की थी। जबकि शुक्रवार को उसने सियालदह में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) अदालत के सामने अपने बेगुनाह होने का दावा किया। उसने जज से कहा कि उसने अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए पॉलीग्राफ टेस्ट के लिए रजामंदी दी थी। सीबीआई और पुलिस ने संजय रॉय के बयानों में भारी विरोधाभासी बातें पाईं। एक अधिकारी ने मीडिया को बताया कि वह जांचकर्ताओं को गुमराह करने की कोशिश कर रहा था। अधिकारी ने कहा कि वह अपने चेहरे पर लगी चोटों और अपराध के समय अस्पताल की इमारत में अपनी मौजूदगी के बारे में कोई सफाई नहीं दे सका। शनिवार को संजय रॉय का पॉलीग्राफ टेस्ट कुछ तकनीकी कारणों से रोक दिया गया था। शनिवार को आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल डॉ। संदीप घोष और चार अन्य डॉक्टरों समेत छह लोगों का लाई डिटेक्टर टेस्ट किया गया। संजय रॉय को कड़ी सुरक्षा के बीच कोलकाता की प्रेसीडेंसी जेल के सेल नंबर 21 में रखा गया है। वह सेल में अकेले हैं। कड़ी निगरानी रखने के लिए उनके सेल के बाहर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। संजय रॉय की साइकोलॉजीकल प्रोफाइलिंग में पाया गया कि वह एक विकृत इंसान है और पोर्नोग्राफी का बहुत बड़ा आदी है। एक सीबीआई अधिकारी ने एक डॉक्टर के हवाले से कहा कि उसके अंदर एक जानवर जैसी प्रवृत्ति है।

नाले में तैरता मिला युवक का शव:

राहगीरों की सूचना पर पुलिस पहुंची, पांच दिन पहले घर से हुआ था लापता

द पुलिस पोस्ट

भीलवाड़ा शहर के एक नाले में एक व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। नाले के करीब से गुजर रहे लोगों ने जब शव को तैरते हुए देखा तो पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों की मदद से शव को नाले से बाहर निकलवाया। मामला शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र के बड़ला चौराहे का है। रविवार को एक व्यक्ति का शव नाले में कचरे के साथ ऊपर तैरता नजर आया। इधर से गुजर रहे लोगों ने जब शव तैरता देखा तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी।सूचना पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नाले से बाहर निकलवाया। मृतक की पहचान कावांखेड़ा कच्ची बस्ती में रहने वाले प्रभु लाल पिता नारायण हरिजन (45)के रूप में की गई। कोतवाली थाने के एएसआई मदनलाल ने बताया कि मृतक प्रभु लाल

अपनी पत्नी और बेटे के साथ कच्ची बस्ती में किराए से रहता था और बीएसएल फैक्ट्री में मजदूरी कर रहा था। प्रभु 20 अगस्त को अपने घर से निकला था और वापस नहीं लौटा। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे, उसकी पत्नी लक्ष्मी ने 23

अगस्त को प्रभु लाल की गुमशुदगी कोतवाली में दर्ज करवाई थी। आज सुबह प्रभु लाल का शव नाले में तैरता नजर मिला। फिलहाल पुलिस ने मृतक के शव को महात्मा गांधी हॉस्पिटल की मॉच्यूरी में भिजवाया और पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सुपुर्द किया। पुलिस ने मृतक की पत्नी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

कांग्रेस सालों तक सत्ता में रही उसने जातीय जनगणना क्यों नहीं कराई?

-राहुल गांधी के बयान पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने कांग्रेस को घेरा

लखनऊ(एजेंसी)। यूपी के रायबरेली से सांसद राहुल गांधी के आरक्षण और जातीय जनगणना वाले बयान पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। मायावती ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट में लिखा- कांग्रेस पार्टी इतने सालों तक सत्ता में रही तो उसने जातीय जनगणना क्यों नहीं कराई?

मायावती ने कांग्रेस पार्टी को दोगले चरित्र की पार्टी करार देते हुए कहा कि यह कांग्रेस पार्टी ही है जिसने कभी भी बाबा साहब को सम्मान नहीं दिया, ना तो जीते जी ना ही मरणोपरांत उन्हें भारत रत्न दिया। यही नहीं मान्यवर कांशीराम जी के निधन के बाद भी एक दिन का राजकीय शोक तक नहीं मनाया। मायावती ने कांग्रेस से सवाल किया है कि कांग्रेस पार्टी इतने सालों तक सत्ता में रही तो उसने जातीय जनगणना क्यों नहीं कराई, जबकि बसपा हमेशा से इसकी पक्षधर रही है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कांग्रेस की चुप्पी को लेकर मायावती ने कहा कि इतना ही नहीं, संविधान के तहत् एससी-एसटी को मिले आरक्षण में अब वर्गीकरण व क्रीमीलेयर के जरिये, इसे निष्प्रभावी व खत्म करने की चल रही साजिश के विरोध में कांग्रेस, सपा व बीजेपी का चुप्पी साधे रखना क्या यही इनका दलित प्रेम है? सचेत रहें सपा, कांग्रेस और बीजेपी जैसी इन आरक्षण विरोधी पार्टियों के साथ अब किसी भी चुनाव में इनसे कोई गठबन्धन करना क्या एससी-एसटी व ओबीसी वर्गों के हित में उचित होगा। यह कतई नहीं होगा ऐसे में अब इनको खुद अपने दम पर खड़े होना है, यही सलाह है।

बता दें राहुल गांधी शनिवार को प्रयागराज पहुंचे और 'संविधान का सम्मान और उसकी रक्षा कार्यक्रम में शिरकत की थी। कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा कि 90 फीसदी लोग सिस्टम के बाहर बैठे हैं और उनकी भागीदारी के बिना देश नहीं चल सकता और इसके लिए 50 फीसदी आरक्षण का बैरियर उखाड़ फेंकेंगे। राहुल गांधी ने संविधान सम्मान सम्मेलन के दौरान देशव्यापी जाति जनगणना की मांग करते हुए कहा कि मैंने पूर्व मिस इंडिया की सूची देखी, लेकिन विजेताओं में कोई दलित, आदिवासी या ओबीसी नहीं मिला।

हनुमान मंदिर के बाहर घायल गाय मिलने से मचा बवाल, गरमाया माहौल

संत व सांसद धरने पर बैठे प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने भांजी लाठियां, भीड़ ने बरसाए पत्थर

आज दोपहर 12 बजे तक नही हुई गिरफ्तारी तो,अनिश्चित भीलवाड़ा बंद कराया जायेगा

द पुलिस पोस्ट

भीलवाड़ा, भीलवाड़ा शहर में एक बार फिर से सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की नापाक कोशिश की गई है। रविवार को गांधी सागर तालाब के सामने स्थित वीर हनुमान मंदिर के बाहर एक गाय घायल अवस्था में मिली, जिसकी पूंछ काट दी गई थी। कटी पूंछ को मदिर के गेट पर डाल दिया गया। इस घटना से शहर में तनाव फैल गया, और हिंदू समाज ने आक्रोशित होकर मंदिर के बाहर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। घटनास्थल पर स्थानीय सांसद दामोदर अग्रवाल, महामंडलेश्वर हंसराम महाराज और संत समाज के अन्य सदस्यों ने पहुंचकर आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना क्षेत्र के पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और आक्रोशित हिंदू समाज के लोगों को समझाने की कोशिश की, लेकिन उनकी मांगें थी कि जब तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया जाता, तब तक धरना जारी रहेगा। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिसके बाद पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा।

सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की साजिश

शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में स्थित गांधी सागर तालाब के पास वीर हनुमान मंदिर के बाहर इस घटना को एक सुनियोजित साजिश के तहत अंजाम दिया गया। मंदिर के बाहर एक गाय को गंभीर रूप से घायल कर उसकी पूंछ काट दी गई और मंदिर की चौखट पर डाल दी गई। हिंदू संगठनों का आरोप है कि यह घटना जानबूझकर की गई है, ताकि शहर में सांप्रदायिक तनाव पैदा किया जा सके।

उन्होंने आरोप लगाया कि जैसे ही कोई धार्मिक त्योहार आता है, कुछ असामाजिक तत्व शहर का माहौल खराब करने की कोशिश करते हैं।

धरना प्रदर्शन और बढ़ता आक्रोश

घटना के बाद, शहर में तनावपूर्ण माहौल बन गया और हिंदू संगठनों के सदस्य और साधु-संतों की मौजूदगी में मंदिर के बाहर धरना शुरू कर दिया गया। बारिश के बावजूद, प्रदर्शनकारियों ने धरना जारी रखा और प्रशासन को आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने का अल्टीमेटम दिया। संत समाज के सदस्यों ने प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे। महामंडलेश्वर हंसराम महाराज ने कहा कि अब हिंदू समाज जागरूक हो चुका है और वह अपने धर्म और समाज की रक्षा के लिए तैयार है।

सांसद और प्रशासनिक अधिकारियों की वार्ता

घटना के बाद, भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल घटनास्थल पर पहुंचे और उन्होंने

पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत और जिला कलेक्टर नमित मेहता से मुलाकात की। सांसद ने प्रशासन से इस कृत्य में शामिल असामाजिक तत्वों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने और उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की मांग की। वार्ता के दौरान पुलिस ने आश्वासन दिया कि सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और सोमवार की सुबह तक आरोपियों को पकड़ने की कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान महामंडलेश्वर हंसराम महाराज ने कहा कि यदि प्रशासन आरोपियों को गिरफ्तार नहीं करता है, तो हिंदू संगठन आंदोलन को और तेज करेंगे। उन्होंने कहा कि अब हिंदू समाज को अपने धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए एकजुट होने की आवश्यकता है और इस तरह की घटनाओं को सहन नहीं किया जाएगा।

शहर में पुलिस की तैनाती और सुरक्षा व्यवस्था

घटना के बाद, भीलवाड़ा शहर में सुरक्षा के मद्देनजर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। शहर के संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की पेट्रोलिंग बढ़ा दी गई है और सभी प्रमुख स्थानों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है और किसी भी प्रकार की अफवाहों से दूर रहने का अनुरोध किया है। एएसपी विमल सिंह व पुलिस उपाधीक्षक श्याम सुंदर की अगुवाई में टीमें काम कर रही है।

सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने की अपील

महामंडलेश्वर हंसराम महाराज और सांसद दामोदर अग्रवाल ने शहरवासियों से शांति बनाए रखने और अफवाहों से बचने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कुछ असामाजिक तत्व शहर का माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हमें उन्हें कामयाब नहीं होने देना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन की ओर से जल्द ही उचित कार्रवाई की जाएगी और दोषियों को सजा दिलाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

प्रशासन की कार्रवाई पर नजर

भीलवाड़ा शहर में इस घटना के बाद से हिंदू समाज में आक्रोश है। लोग प्रशासन की कार्रवाई पर नजर बनाए हुए हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि दोषियों को जल्द से जल्द सजा मिलेगी। इस घटना ने शहरवासियों को झकझोर कर रख दिया है और लोग अपने धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि वह इस मामले को गंभीरता से ले रहा है और दोषियों को सजा दिलाने के लिए हर संभव कदम उठाएगा।

असामाजिक तत्वों की पहचान और उनकी गिरफ्तारी

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालने का काम शुरू कर दिया है और आरोपियों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। कोतवाली थाना प्रभारी राजपाल सिंह ने कहा कि हम हर संभव प्रयास कर रहे हैं ताकि दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जा सके। उन्होंने कहा कि शहर में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए हम पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं और किसी भी असामाजिक तत्व को बख्शा नहीं जाएगा।

अजमेर ब्लैकमेल कांड के दोषियों को मिले फांसी की सजा:

VHP के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष बोले उदयपुर कांड में ट्रेनिंग देने वाले भी दोषी

द पुलिस पोस्ट

भीलवाड़ा। विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने भीलवाड़ा में कहा- अजमेर ब्लैकमेल कांड में उम्र कैद की सजा से काम नहीं चलेगा। विश्व हिंदू परिषद फांसी की सजा की मांग करता है। इसके लिए हमने सरकार से कहा की आप बड़े से बड़ा वकील करें जिससे मृत्युदंड मिल सके। आलोक कुमार विश्व हिंदू परिषद के 60 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में शनिवार को भीलवाड़ा पहुंचे थे। शहर के नगर परिषद सभागार में आयोजित हिन्दू धर्म सभा में उन्होंने कहा कि अजमेर में 32 वर्ष पहले 11, 12 व 14 साल की बच्चियों से जो घटना हुई वह बड़ी घटना थी। ब्लैकमेल करने से बड़ा कोई जघन्य अपराध नहीं हो सकता। यह रेयर ऑफ टू रेयर केस नहीं था क्या? इस केस में मृत्युदंड मिलना चाहिए था, लेकिन कोर्ट ने उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई है। इस आदेश के खिलाफ अपील कर यह सुनिश्चित करो कि उन अपराधियों को फांसी मिलनी चाहिए। उदयपुर हत्याकांड के मामले में शामिल सभी को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। तभी मृतक बच्चे को सच्ची श्रद्धांजलि मिलेगी। आज देश में चुनौतियां तो बहुत है यह चुनौतियां पूरे भारत में ही नहीं पूरे विश्व में हैं। उदयपुर में एक माइनर अपने बैग में तेज धार वाला चाकू लेकर स्कूल आता है। यह चाकू ऐसे ही नहीं चलता है, इसको चलाने के लिए विधि होती है। उदयपुर में छात्र ने अपने साथी की चाकू से गोदकर हत्या की है। पहले उदयपुर में कन्हैया की हत्या हुई, वह तालिबान की तरह हत्या थी। राजस्थान में पहले हत्या व हमला करने वाले को माइनर बताए जाते थे, वर्तमान दौर में अवयस्क बच्चों में भी जिहाद का दौर शुरू हो गया है। उदयपुर हत्याकांड में अकेले पर कार्रवाई करने से काम नहीं चलेगा, जिसने हथियार दिया, जिसने हथियार चलाना सिखाए और बच्चे के मन में जहर जिन्होंने भरा वो सब दोषी हैं, उन सबको दंड मिलना चाहिए। उन सबको दंड दिलवाना सरकार की जिम्मेदारी है, उस जिम्मेदारी को सरकार पूरा करें हम भी सरकार के साथ पीछे खड़े हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार पर भारत सरकार सख्त

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए अत्याचार को लेकर विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा- बांग्लादेश में अभी दंगे हुए। विश्व में हिंदू समाज जागृत है। सबसे पहले विश्व हिंदू परिषद ने हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का विरोध किया। भारत के प्रधानमंत्री ने अपने पहले संदेश में बांग्लादेश के प्रधानमंत्री को कहा कि हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को बंद करना पड़ेगा। विश्व के जनमत के आगे बांग्लादेश सरकार को कहना पड़ा कि हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को रोकना हमारी जिम्मेदारी है।

भारत सरकार ने तीन मांगे रखीं जिसमें पहली मांग थी की हिन्दुओं के जितने भी घर, मकान व मंदिर का नुकसान हुआ उसको पूरा मुआवजा दिया है। दुसरी हिंदुओं की सुरक्षा व विकास सुनिश्चित किया जाए और तीसरी मांग दोषियों को दंड दिया जाए।

जिस पर बांग्लादेश की सरकार ने तीनों मांगों को स्वीकार किया और बांग्लादेश के प्रधानमंत्री ढाकेश्वरी देवी के मंदिर में आए। सरकार व विश्व हिंदू परिषद हमेशा हिंदुओं के साथ खड़ी है कहीं भी हिंदुओं को समस्या आएगी तो हम साथ में हैं।

आरक्षण के नाम पर हिंदू बंट रहा है

कार्यक्रम की समाप्ति के बाद आलोक कुमार ने कहा- भारत में आरक्षण के नाम पर हिंदू बंट रहा है। 21 तारीख को भारत बंद हुआ था। उस दौरान देशभर में लोगों को थोड़ी गलतफहमी हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने क्रीमीलेयर के बारे में कोई निर्णय नहीं लिया।

कुछ टिप्पणियां की वह टिप्पणियां बाध्यकारी नहीं हैं। केंद्र सरकार ने कहा कि हम क्रीमीलेयर को लागू नहीं करेंगे। आरक्षण अनुसूचित समाज को दिया जा रहा है। वह संविधान सभा ने सर्वसम्मति से किया था। यह पूरे हिंदू समाज का संकल्प है इसको जारी रहना चाहिए।

श्री कृष्ण जन्मभूमि पर भी कोर्ट के रास्ते से मंदिर बनेगा

कृष्ण जन्मभूमि को लेकर विश्व हिंदू परिषद की क्या भावना है इस सवाल पर आलोक कुमार ने कहा- केवल मथुरा में ही मुकदमा नहीं चल रहा है काशी में भी चल रहा है। दोनों जगह के मुकदमे हैं उनमें कार्रवाई तेजी से हो रही है। मैं उनकी फाइलों को जानता हूं।

मुझे पूरा विश्वास है हिंदू समाज को विजय प्राप्त होगी और भगवान श्री कृष्णा जन्मभूमि पर भी कोर्ट के रास्ते से मंदिर बनेगा। महामंडलेश्वर हंसराम उदासीन कहा- बिना शास्त्र और शस्त्र उठाए हिंदुओं का भला नहीं होगा। महंत बनवारी शरण ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल जो देश में सेवा का काम कर रहे हैं। इन कार्यकताओं को मैं धन्यवाद करता हूं। हर परिस्थिति में हर संभव कार्य करने के लिए तैयार रहते हैं हिंदू समाज के लिए। इस मौके पर महत मोहन शरण शास्त्री, विश्व हिंदू परिषद के प्रान्त मंत्री कौशल गौड़, जिला अध्यक्ष रामप्रकाश बहेड़िया, कार्यक्रम के अध्यक्ष सजय खोईवाल मुख्य अतिथि मोहन लाल सराजना विजय ओझा, गणेश प्रजापत, अखिलेश व्यास, विनीत त्रिवेदी, ओम प्रकाश बुलिया, शिव कुमावत, विराट सोनी, सौम्य मेहता मौजूद रहे।

सीएम की जोधपुर इंटरसिटी में जनसुनवाई, यात्रियों से लिया फीडबैक:

अलग-अलग डिब्बों में पैसेंजर्स से मिले; सेल्फी ली, सभी के साथ ब्रेकफास्ट भी किया

द पुलिस पोस्ट

जोधपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पूर्व सीएम जोधपुर से रहे हैं, ऐसे में बजट तैयार करने के दौरान मन में सवाल था कि जोधपुर को ज्यादा कुछ देने की जरूरत नहीं होगी। लेकिन, बजट में सुझाव पढ़कर हैरान रह गया। यहां लोगों की समस्या पर ध्यान दिया ही नहीं गया। सीएम आज जोधपुर में राजस्थान हाईकोर्ट की स्थापना के प्लेटिनिम जुबली समापन समारोह में शामिल होने के लिए पहुंचे। रविवार शाम 4 बजे होने वाले इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। सीएम ने जयपुर से जोधपुर का सफर इंटरसिटी ट्रेन में चेयर कार से किया। सफर के दौरान उन्होंने ट्रेन में जनसुनवाई भी की। वे आम पैसेंजर्स से अलग-अगल कोच में जाकर मिले और उनसे सरकार के कार्यों को लेकर फीडबैक भी लिया।

सुबह 6 बजे जयपुर से निकले सीएम

जोधपुर जाने के लिए मुख्यमंत्री सुबह 6 बजे जयपुर जंक्शन से रवाना हुए। इंटरसिटी ट्रेन के अलग-अलग डिब्बों में वे यात्रियों से मिले। उन्होंने सीएम को अपनी समस्याएं बताईं। साथ राजस्थान सरकार की योजनाओं को लेकर अपने सुझाव भी दिए। युवाओं ने मुख्यमंत्री के साथ सेल्फी भी ली। इस दौरान फुलेरा, नावां, कुचामन, मकराना, डेगाना और मेड़ता रोड स्टेशन पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। जोधपुर स्टेशन पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने सीएम को रिसीव किया।

बजट की कांग्रेस ने सराहना की- सीएम

ट्रेन में सीएम भजनलाल ने कहा कि किसी भी समस्या के समाधान के लिए जनता के बीच जाना पड़ता है। समस्याओं को सुनने से ही वास्तविकता का पता चलता है। वास्तविकता इसलिए आवश्यक है कि उनकी छोटी-छोटी समस्याओं का समाधान हो सके। उन्होंने विपक्ष के निशाने पर रहने के सवाल पर कहा कि वे अंतरात्मा में आंकलन करते तो खुद महसूस करते हैं कि चीजें अच्छी हो रही हैं। आपने बजट में देखा कि कांग्रेस के लोगों ने इसकी सराहना की। किसी ने खुले में की तो किसी ने दबी जुबान से की।

बोले- सोचा था जोधपुर को ज्यादा देना नहीं पड़ेगा

सीएम भजनलाल शर्मा ने दोपहर 12 बजे जोधपुर के एसएन मेडिकल कॉलेज सभागार में आयोजित कार्यशाला में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने भाजपा पदाधिकारियों के साथ पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना। इसके बाद कार्यशाला को संबोधित करते हुए सीएम ने जोधपुर के विकास को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि जब वह बजट तैयार कर रहे थे। उस समय मन में था कि जोधपुर और जोधपुर संभाग से पूर्व सीएम रहे हैं। ऐसे में जोधपुर संभाग को ज्यादा कुछ देने की जरूरत नहीं होगी। लेकिन बजट के दौरान जिस तरह से विकास को लेकर सुझाव व शिकायतें आई तो मैं खुद भी हैरान था। जोधपुर

ज्वैलर हत्याकांड:भिवाड़ी बंद कर हाईवे जाम किया, गिरफ्तारी के लिए 72 घंटे का अल्टीमेटम

द पुलिस पोस्ट

जयपुर। ज्वैलर्स शोरूम मालिक की गोलियां मार हत्या और लूट से आक्रोशित व्यापारी शनिवार सुबह सोहना-रेवाड़ी नेशनल हाइवे 919 पर धरने पर बैठ गए। जिससे जाम लग गया। तिजारा विधायक महंत बालकनाथ भी उनके साथ बैठ गए। आईजी अनिल टांक ने समझाइश की, लेकिन विधायक बोले कि तत्काल आरोपी पकड़ो। गिरफ्तारी होने तक नहीं हटेंगे। इसके बाद विधायक ज्वैलर के अंतिम संस्कार में शामिल होने रेवाड़ी चले गए। जहां से दोपहर करीब ढाई बजे वन राज्य मंत्री संजय शर्मा के साथ वापस धरनास्थल पहुंचे। यहां व्यापारियों से बातचीत कर पुलिस को 72 घंटे में गिरफ्तारी का वक्त दिया। जिसके बाद व्यापारी धरने से उठ गए। इस दौरान बाधित हाइवे के ट्रैफिक को भिवाड़ी मोड़ और तावडू बैरियर से डायवर्ट रखा गया। मामले की संवेदनशीलता के मद्देनजर एडीजी क्राइम दिनेश एमएन भी शनिवार को भिवाड़ी पहुंचे। भिवाड़ी में तैनात रह चुके इंस्पेक्टर जितेन्द्रसिंह सोलंकी, नरेश शर्मा, एसआई मुकेश कुमार, सचिन शर्मा को भिवाड़ी बुलाया गया है। ये लोग अभी जयपुर ग्रामीण, दौसा, अलवर, खैरथल तिजारा जिले में तैनात हैं। आईजी जयपुर रेंज अनिल टांक भी भिवाड़ी में कैंप कर रहे हैं। बदमाशों की तलाश में टीमें लगाई गई हैं। मगर देर शाम तक कोई सुराग नहीं लगा। भिवाड़ी जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद परिजन ज्वैलर जयसिंह सोनी का शव मूल गांव रेवाड़ी ले गए। जहां उनका अंतिम संस्कार हुआ। विधायक बालकनाथ को भी धरने पर व्यापारियों के तीखे सवाल झेलने पड़े। वे बोले- विधायक बनने के

बाद आपने कहा था कि अब अपराधियों को इलाका छोड़ना पड़ेगा। मगर उल्टा क्राइम बढ़ गया। व्यापारी वर्ग दहशत में है। विधायक ने कहा कि आपका गुस्सा और चिंता वाजिब है। थोड़ा वक्त चाहिए, हालात बदल देंगे।

कांग्रेस हमलावर, जूली बोले- कानून का इकबाल खत्म

दो दिन में भिवाड़ी में दो बड़ी आपराधिक घटनाओं के बाद सियासत भी गरमा गई। ज्वैलर्स शोरूम मालिक की हत्या की जानकारी लेने भिवाड़ी पहुंचे नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि भाजपा के राज में अलवर सहित पूरा प्रदेश अपराधिस्तान बन गया है। पहले आतंकी नेटवर्क मिला अगले ही दिन ज्वैलर की गोली मारकर हत्या हुई।

गहलोत ने कहा- हत्या की घटना सरकार के माथे पर कलंक

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भिवाड़ी मामले में ट्वीट करते हुए लिखा कि भिवाड़ी में हुई डकैती एवं हत्या की घटना बेहद गंभीर एवं राज्य सरकार के माथे पर कलंक के समान है।

पाली का प्राइवेट हॉस्पिटल जहां 50 रुपए में होगा इलाज:भामाशाहों ने जुटाए 20 करोड़;7 बीघा में लग्जरी सुविधाएं

द पुलिस पोस्ट

पाली। पाली सेवा मंडल ने भामाशाहों से 20 करोड़ रुपए जुटाए और नया गांव रोड पर आई हॉस्पिटल तैयार कर दिया। 1 सितंबर से हॉस्पिटल में सेवाएं शुरू हो जाएगी। यहां रियायती दरों पर मरीजों का इलाज किया जाएगा। डॉक्टर को दिखाने की फीस महज 50 रुपए होगी। सभी तरह की जांचें की बहुत कम कीमत पर होंगी। मरीजों को हॉस्पिटल तक लाने के लिए फ्री बस सेवा रहेगी।

ट्रॉमा और हड्डी वार्ड की भी सुविधा

इस हॉस्पिटल में ट्रॉमा और हड्डी वार्ड है। दुर्घटना में घायलों को यहां इलाज मिल सकेगा। हड्डी रोग के विशेषज्ञ डॉक्टर भी होंगे। 10 डायलिसिस मशीनें लगवाई गई हैं। रियायती दर पर किडनी रोग से पीड़ित मरीजों को डायलिसिस की सुविधा मिलेगी।

मरीजों के लिए यहां सीटी स्कैन, विभिन्न तरह के रोगों की जांचों के लिए आधुनिक लैब भी बनाई गई है। इसके साथ ही यहां एक्स-रे मशीन भी लगाई गई है। बाजार से कम रेट में मरीजों को यहां यह सब सुविधा मिलेंगी। इसके साथ ही यहां सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टर की सुविधा भी मरीजों को मिलेगी। यूरोलॉजी, कैंसर और हार्ट स्पेशलिस्ट डॉक्टर्स भी महीन में एक-दो बार यहां आएंगे।

हॉस्पिटल में हुआ यह प्रमुख निर्माण

अस्पताल में 2 ऑपरेशन थियेटर, महिला-पुरुषों के लिए अलग-अलग चार वार्ड, आउटडोर में डॉक्टर्स के लिए 7 रूम, डायलिसिस मशीनों के लिए हॉल जहां 10 डायलिसिस मशीनें लगाई गई हैं। इसके साथ ही मरीजों के लिए प्राइवेट रूम, डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ के रहने के लिए क्वार्टर बनाएं गए हैं।

इसके साथ ही यहां फायर सेल्फी सिस्टम विकसित किया जा रहा है।

मरीजों को रियायती दर पर मिलेगा उपचार पाली सेवा मंडल के प्रमोद जैथलिया ने बताया- पौने 7 बीघा भूमि पर हॉस्पिटल का निर्माण हुआ है। जन सहयोग से 20 करोड़ रुपए इसके निर्माण पर खर्च किए गए हैं। इस हॉस्पिटल में मरीज रियायती दर पर आंखों, दांतों का इलाज करवाने के साथ ही ऑपरेशन करवा सकेंगे। जरूरतमंद मरीजों के ऑपरेशन फ्री में किए जाएंगे।

ऐसे हुई पाली सेवा मंडल की शुरूआत

प्रमोद जैथलिया ने बताया- शहर के बिजनेसमैन स्व. मोहनलाल मोदी ने पाली शहर के कुछ प्रतिष्ठित लोगों के साथ मिलकर नेत्र चिकित्सा शिविर शुरू किया था। यह साल में एक बार लगता था। प्रांरभिक कार्य हिन्दू सेवा मंडल नाम से किया गया। उस समय दिल्ली के परमानन्द ट्रस्ट से चिकित्सक आया करते थे। आर्थिक समस्या के समाधान के लिए संत परमानन्द ट्रस्ट के कार्यकर्ता शास्त्री ने महाराजा उम्मेद मिल के प्रमुख स्व. मोहनलाल गुप्ता ने इस कार्य में सहयोग देने के लिए कहा। ऐसे में मोहनलाल गुप्ता भी इस काम से जुड़ गए। बांगड़ धर्मशाला में हर साल एक ही तय दिनांक को कैम्प लगाया जाने लगा। बाद में सार्वजनिक संस्थान के रूप में संस्था का नाम पाली सेवा मंडल करके सन 1962-63 में रजिस्ट्रेशन करवा लिया गया।

प्राथमिक चिकित्सा केंद्र नेत्र रोगों का शुरू किया गया। स्व. मोहनलाल गुप्ता ने उस समय के सदस्यों से विचार विमर्श कर भवन निर्माण की योजना बनाई। 1964-65 में पानी दरवाजा स्थित चिकित्सालय भवन का निर्माण करवाया गया। इस भवन निर्माण में महाराजा श्रीउम्मेद मिल एवं पाली के व्यापारियों का पूर्ण सहयोग रहा। पानी दरवाजा स्थित चिकित्सालय में नेत्र जांच व चिकित्सा की व्यवस्था नियमित रूप से शुरू की गई। 28 व 29 जनवरी को प्रति वर्ष लगने वाला कैम्प के अलावा चिकित्सालय में भी प्रति-सप्ताह चिकित्सक की व्यवस्था की जाने लगी। 1985 के बाद चिकित्सालय में स्थायी चिकित्सक की व्यवस्था कर नियमित ऑपरेशन व अन्य नेत्र संबंधी बीमारियों का इलाज किया जाने लगा। एक सार्वजनिक सामाजिक संस्था होने के नाते संस्था द्वारा अन्य समाज सेवा के कार्य किए गए जिससे 1979 में पाली में आई बाढ़ राहत कार्य उल्लेखनीय था। ग्रामीण इलाके में 800 टीन शेड दिए गए एवं आवश्यकतानुसार अनाज वितरण किया गया। उन वर्षों में अकाल के कारण पशुओं की रक्षा के लिए पाली सेवा मंडल के सदस्यों ने गौ-रक्षा समिति के नाम से समय-समय पर बहुत कार्य किया जो आज भी स्थायी रूप से गोशाला में कार्यरत है। मोहनलाल गुप्ता के बाद डॉ डी.डी. सोलंकी के सफल नेतृत्व में चिकित्सालय प्रगति करता रहा। 90 के दशक में ही नेत्र चिकित्सा के साथ होम्योपैथिक चिकित्सा का कार्य भी सेवा मंडल में शुरू की। सेवा मंडल चिकित्सालय परिसर में ही 42 वर्षों तक स्काउट परिवार द्वारा टीकाकरण का कार्य किया गया। 90 के दशक के बाद चिकित्सालय में बिना चीर-फाड़ व बिना टांके के भी फेको मशीन से आंख के ऑपरेशन किए जाने लगे। आज भी मंडल की ओर से रियायती दर पर नाममात्र शुल्क लेकर आंखों के ऑपरेशन किए जा रहे हैं। 2001 से 2005 तक पद्मश्री मूलचंद लोढा के आग्रह पर आदिवासी इलाके में कई नेत्र से शिविर लगाए गए। जिसके फलस्वरुप उस क्षेत्र में वागदरी नामक गांव में सुसज्जित नेत्र चिकित्सालय का निर्माण हुआ। गत 10 वर्षों से हृदय विशेषज्ञ डॉ सूर्या की सेवाएं प्रतिमाह मिल रही हैं। इसके परिणाम स्वरुप पाली व आसपास क्षेत्र के 500 हृदय रोग के ऑपरेशन किए जा चुके हैं जो अभी भी नियमित रूप से हो रहे हैं। नेत्र चिकित्सालय में कार्य की अधिकता को देखते हुए 2007-08 में पानी दरवाजा स्थित भवन का विस्तार कर प्रथम मंजिल का निर्माण किया गया।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक उपेन्द्रसिंह राठौड़, अम्बर ऑफसेट प्रा.लि.डीएल टॉवर, 3ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र जेएलएन मार्ग जयपुर से मुद्रित एवं भू-तल ऑरबिट मॉल, सिविल लाइंस, जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित, 99280-96524, पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, अनिल मलिक (सहसंपादक) 8696750000, पंकज गर्ग (प्रबंध संपादक) 01482-455184, 9214417111